श्रावण शुक्ल पक्ष -8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 45 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 अगस्त 2026
गुरुवार

आज का मौसम
28.1 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

नई राष्ट्रीय टीम के गठन के बाद अब बीजेपी की आक्रामक मैदानी तैयारी

राष्ट्रीय स्तर के हालिया घटनाक्रमों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह में तेवरों में आक्रामकता का भाव तेज हो चला है। बीजेपी की नई राष्ट्रीय टीम बनने के बाद पार्टी के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय मंत्रिमंडल में बदलाव की तैयारी है। सात राज्यों में अगले साल विधान सभा चुनाव हैं और 2028 में नौ राज्यों में। अगले साल गोवा, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में चुनाव होंगे। राज्यों से दिल्ली पहुँच रहे फीडबैक के चलते पार्टी खासतौर से ज़्यादा सतर्क है, क्योंकि इन चुनावों के नतीजे 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए लिटमस टेस्ट जैसे होंगे। जहां सरकारें हैं, वहां पार्टी अपनी निरंतरता तो चाहेगी ही, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में सत्ता में वापसी के इरादे भी हैं। इसके अलावा पंजाब में स्थिति मजबूत करने की कवायद तेज हो चली है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

इन तमाम फैक्टर्स को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार के साथ पार्टी को लोकसभा में स्पष्ट और एनडीए को दो तिहाई से ज्यादा सीट दिलाने का लक्ष्य भी पार्टी आलाकमान ने तय कर रखा है। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने 2019 के चुनावों में सोशल मीडिया का भरपूर उपयोग किया था। लेकिन 2024 में कुछ रणनीतिक गफलतों के चलते पार्टी बहुमत से पिछड़ गई। 400 पार का दावा मीलों पीछे छूट गया। इंडी गठबंधन ने इन्हीं अस्त्रों का सहारा लिया। सोशल मीडिया के ज़रिए बीजेपी की रणनीतिक गलतियों का लाभ उठाकर कांग्रेस और सपा की सीटों में ख़ासी बढ़ोत्तरी हुई। इस बार तो राज्यों से लेकर लोकसभा के चुनावों भी में एआई का भी जमकर इस्तेमाल होगा।

कई राज्यपालों को बदलने की भी तैयारी

पिछले दिनों कई प्रमुख राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति और कुछ के राज्यबदल के बाद अब उन राज्यपालों की विदाई तय है जो या तो अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुके है या फिर वे जो केंद्र सरकार की कसौटियों पर खरे नहीं उतरे। कर्नाटक में थावरचन्द गहलोत, एमपी में मंगू भाई, यूपी में आनंदी बेन पटेल का कार्यकाल पूरा हो चका है। यहां बदलाव होना है। केरलम के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को तमिलनाडु का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। लेकिन वहाँ बदले हालात में नया और तेजतर्रार राज्यपाल बन सकता है। कांग्रेस से आए कुछ वरिष्ठ नेताओं को भी राज्यपाल बनाने का भरोसा दिया गया है कुल मिलाकर देखें तो आरएसएस, मोदी और शाह अब ऐसे तमाम फेरबदल करके नई गोटियां फिट करने में देर नहीं करना चाहते। आलाकमान और संघ की इन तमाम कवायद के नतीजे जल्द सबके सामने होंगे।

इस बार पुरानी गलती न हो इसलिए बीजेपी सतर्कता बरतना चाहेगी। फिर चाहे वह यूपी, उत्तराखंड हो या गोवा, एमपी, राजस्थान, गुजरात या छत्तीसगढ़। इनमें से कुछ राज्यों में बड़े फेरबदल जरूरी हुए तो वह नहीं चूकेगी। पार्टी ने 2024 के अनुभवों से सबक लेते हुए बंगाल से लेकर बिहार और दिल्ली तक में जीत के झंडे गाड़े और इंडी गठबंधन के गुब्बारे की हवा निकाली। इससे उसके हौसले बढ़े थे।

ताकि...मजबूत हो सत्ता की चौथी पारी का दावा

बदलते हालात में राष्ट्रीय सियासी फलक और बीजेपी शासित राज्यों में जेन ज़ी और जेन अल्फ़ा जैसे वाक्यों से गिरते ग्राफ का उसने आक्रामक रुख़ के साथ मुक़ाबला करने का मन बनाया है। पीएम मोदी ने लाल क़िले से इसके संकेत भी दिए। इसलिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सशक्तिकरण से लेकर कुछ राज्यों में बड़े बदलाव उसके एजेंडे में है। 2003 में हुए संशोधन के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल की 81 सदस्यों की अधिकतम सीमा में दस सदस्यों की गुंजाइश पहले थी। अब पंकज चौधरी के यूपी बीजेपी अध्यक्ष बनने और शिक्षा जगत में सरकार की भारी किरकरी होने के बाद धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से 12 स्थान खाली हैं। मोदी की रणनीति वैसे तो तय सीमा से कम मंत्री रखने की रही है। लेकिन, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल के कुनबे मे बड़ी सेंधमारी के बाद बंगाल में लोकसभा सीटें और पंजाब में विधान सभा सीटें बढ़ाने के लिए कुछ मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाना सियासी अनिवार्यता बन चुकी है। भाजपा की चुनौती साफ है - 2024 की कमियों को पीछे छोड़ते हुए 2027-28 में लगातार चुनावी बढ़त हासिल करना और 2029 के लिए ऐसी राजनीतिक जमीन तैयार करना, जिस पर वह सत्ता की चौथी पारी का दावा मजबूती से कर सके।

न्यूज विंडो

बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति चुनाव आज

ढाका। बांग्लादेश में 35 साल बाद आज राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं। बांग्लादेश में राष्ट्रपति को जनता सीधे नहीं चुनती। संसद के सदस्य राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। इसमें संसद के कुल 349 सांसद वोट डाल सकेंगे। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने बताया कि चुनाव में पारदर्शिता के लिए वोटों की गिनती लाइव प्रसारित की जाएगी।

विमान से टकराया पक्षी, 188 लोगों को लेकर वापस लौटी फ्लाइट

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाराणसी से देर रात नवी मुंबई के लिए उड़ान भर रही अकासा एयर की फ्लाइट QP-1430 बर्ड स्ट्राइक की घटना के बाद वापस एयरपोर्ट लौट आई। उड़ान भरने के दौरान विमान से पक्षी के टकराने के बाद पायलट ने विमान को वापस एयरपोर्ट लाने का निर्णय लिया। घटना के बाद विमान में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। अकासा एयर की फ्लाइट का निर्धारित प्रस्थान समय रात 7:55 बजे था। विमान ने रात 10 बजे उड़ान भरी, जिसके बाद उड़ान के दौरान बर्ड स्ट्राइक की घटना हुई।

कोलकाता होटल अग्निकांड में लीज होल्डर अबू जफर गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित 'शिखा इन' होटल में आग लगने के मामले में पुलिस ने लीज होल्डर अबू जफर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, वह होटल का पार्टनर और लीज होल्डर था। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 5 बांग्लादेशी नागरिक बताए गए हैं। पुलिस अब होटल के संचालन, फायर सेफ्टी इंतजाम और जफर की भूमिका की जांच कर रही है।

इंडोनेशिया: 7 दिन में फ्लोरेस द्वीप पर फिर 5.9 तीव्रता का भूकंप

जर्काता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में स्थित फ्लोरेस द्वीप पर भूकंप का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। आज फिर यहां सुबह 5.9 तीव्रता का एक और झटका दर्ज किया। इसकी गहराई मात्र 10 किलोमीटर बताई गई है। यह घटना मुख्य भूकंप के सिर्फ पांच दिन बाद हुई है। इससे पहले 17 अगस्त सोमवार को भी लगभग समान तीव्रता का आफ्टरशॉक आ चुका था। लगातार झटकों ने पहले से डरे हुए लोगों में घबराहट बढ़ा दी है।

आज का कार्टून

खेती का सामान बेचने वाले व्यापारियों ने उठाए गंभीर सवाल

खाद संकट और कालाबाजारी के लिए सरकार की गलत नीतियां जिम्मेदार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में गहराते यूरिया और डीएपी संकट तथा उर्वरकों की कालाबाजारी को लेकर राज्य सरकार की नीतियों और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस मुद्दे पर खेती से जुडी सामग्री बेचने वाले व्यापारियों के संघ ने मोर्चा खोल दिया है। उसका कहना है कि व्यावहारिक सुझावों की लगातार अनदेखी के कारण प्रदेशभर में किसानों को उर्वरकों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार की मौजूदा वितरण व्यवस्था में गंभीर असंतुलन है।

कृषि आदान विक्रेता संघ के मानसिंह राजपूत ने कहा कि सरकार द्वारा करीब 75 प्रतिशत उर्वरक सहकारी समितियों और 25 प्रतिशत निजी विक्रेताओं को आवंटित किया जा रहा है, जबकि लगभग 75 प्रतिशत पॉइंट ऑफ़ सेल मशीनें निजी व्यापारियों के पास हैं। संघ का आरोप है कि समितियों में अपेक्षाकृत कम ग्राहकों के बावजूद अधिक आपूर्ति होने से फर्जी बिक्री दर्ज कर उर्वरकों की कालाबाजारी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। संघ के लीगल हेड राजेश मलैया कहते है- ई-टोकन व्यवस्था लागू होने से पहले ही प्रशासन को इन सभी व्यावहारिक विसंगतियों से अवगत कराया गया था, लेकिन इन सुझावों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। प्रदेश सचिव संजय रघुवंशी ने कहा कि 14 अगस्त को स्टॉक वेरिफिकेशन के नाम पर प्रदेश में उर्वरकों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद 16 अगस्त की शाम बिना स्टॉक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी किए बिक्री पुनः शुरू करने का आदेश जारी किए जाने पर भी संघ ने सवाल उठाए हैं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि बिना वास्तविक स्टॉक वेरिफिकेशन के बिक्री शुरू करने के पीछे शासन की क्या मंशा है। संघ को आशंका है कि सहकारी समितियों के स्टॉक का वास्तविक भौतिक सत्यापन नहीं किया गया और उन्हें अपने स्टॉक में सुधार का अवसर दिया गया। यदि वास्तविक स्टॉक का पीओएस रिकॉर्ड से मिलान किया जाता, तो वास्तविकता सामने आ सकती थी।

कृषि आदान विक्रेता संघ का आरोप - हमारी बात नहीं मानी गई

उर्वरक व्यवस्था के लिए प्रमुख सुझाव

- **उर्वरक** व्यवसाय में प्रशासनिक हस्तक्षेप तत्काल बंद हो।
- **वितरण** में लागू 75-25 के असंतुलन को समाप्त करें।
- **विक्रेताओं** का डीलर मार्जिन 8 प्रतिशत किया जाए।
- **परिवहन** नीति में व्याप्त असमानता को दूर किया जाए।
- **निर्धारित** एवं उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो।
- **वास्तविक** स्टॉक और PoS रिकॉर्ड का मिलान करें।

ई-टोकन व्यवस्था से बढ़ी परेशानी

संघ ने कहा कि जल्दबाजी में लागू की गई ई-टोकन व्यवस्था में भी कई व्यावहारिक विसंगतियां हैं। बड़ी संख्या में किसानों की फार्मर आई डी नहीं बनने के कारण वे ई-टोकन से वंचित हैं। वहीं, 50 बोरी से अधिक की पात्रता वाले किसानों के लिए भी प्रतिमाह 50 बोरी की सीमा निर्धारित की गई है। इसके अलावा किसानों को 30 से 50 किलोमीटर दूर स्थित केंद्रों से आवंटन, पी ओ एस मशीनों में बार-बार आने वाली तकनीकी समस्याओं और अन्य प्रक्रियागत बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

मार्जिन और परिवहन नीति में हो सुधार

निजी उर्वरक विक्रेताओं को वर्तमान में मात्र 1 प्रतिशत डीलर मार्जिन मिलता है, जिसे बढ़ाकर 8 प्रतिशत किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। संघ का कहना है कि अपर्याप्त मार्जिन और परिवहन संबंधी भेदभावपूर्ण नीति के कारण व्यापारियों की वास्तविक लागत कई बार एमआरपी से अधिक हो जाती है। इसके चलते कंपनियों द्वारा भी प्रदेश में आपूर्ति कम किए जाने की स्थिति बन रही है। उर्वरक कंपनियों द्वारा 'टैगिंग नहीं तो माल नहीं' जैसी व्यवस्था अपनाए जाने से निजी विक्रेताओं पर अनावश्यक उत्पादों का बोझ पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सुपर फास्फेट सहित कुछ उर्वरकों के मूल्य समय पर निर्धारित नहीं होने के कारण स्टॉक उपलब्ध होने के बावजूद ई-टोकन व्यवस्था में उनकी उपलब्धता प्रदर्शित नहीं हो सकी। उर्वरकों की बढ़ती कीमतों और कमी के कारण कई किसानों को बिना पर्याप्त खाद के ही बोनी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

मानसून एक बार फिर एक्टिव...

चित्रकूट में सड़कों पर नावें चलाई जा रही हैं।

डिंडौरी-पन्ना के स्कूलों में छुट्टी, चित्रकूट में सड़कों पर चलीं नाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में मानसून एक बार फिर एक्टिव हो गया है। डिंडौरी में भारी बारिश को देखते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों समेत नर्सरी से बारहवीं क्लास तक के स्कूलों में आज छुट्टी घोषित कर दी गई है। समनापुर जनपद मुख्यालय का 12 से ज्यादा गांवों से संपर्क टूट गया है। खरमेर नदी का पानी पुल के आने से डिंडौरी-मंडला स्टेट हाइवे बंद हो गया है।

पन्ना में भी मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए नर्सरी से 12वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। सतना के चित्रकूट में बारिश की वजह से मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। यहां सड़कों पर नाव चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं।

सतना के भुमकहर गांव में 55 वर्षीय चरवाहा नाले में बह गया। टीम उसे तलाश कर रही है। उमरिया में संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के 2 गेट एक-एक मीटर तक खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है।

5 जिलों में 8 इंच तक बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और दमोह में आज अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 24 घंटे में 8 इंच तक बारिश हो सकती है। दतिया, भिंड, निवाड़ी, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, कटनी, मैहर और सतना में भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, भोपाल समेत प्रदेश के कई जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है।

राष्ट्रगीत मामला

शाह बोले- कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम् न गाना तुष्टीकरण, देश की जनता इसे नहीं सहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने आज कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के सिर्फ दो पैरा गाने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम पूरा न गाना तुष्टिकरण है। शाह ने कहा- देश में तुष्टिकरण की राजनीति नहीं चलेगी। 1937 में जो कांग्रेस ने फैसला लिया था, उसे पीएम मोदी ने आजादी के 80 साल बाद सुधारा है। देश की जनता उसका विरोध नहीं सहेगी। शाह से पहले बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी कांग्रेस के फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय गीत का अपमान किया है। कांग्रेस अब नई मुस्लिम लीग बन गई है।नबीन ने कहा कि यह फैसला उन शहीदों का अपमान है।

तेलंगाना की घटना

10वीं के छात्रों ने की प्रिंसिपल की बेरहमी से हत्या, 27 बार चाकू से किए ताबड़तोड़ वार

कोंडामाल्लेपल्ली, एजेंसी। तेलंगाना में नलगोंडा जिले के कोंडामाल्लेपल्ली में प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल रूपा रेड्डी की उनके घर पर हत्या के एक हफ़्ते से ज़्यादा समय बाद, पुलिस ने उसी स्कूल के 10वीं क्लास के दो छात्रों को पकड़ा है। आरोप है कि उन्होंने रूपा की हत्या तब की जब उन्होंने उनमें से एक को घर में चोरी करते हुए पकड़ लिया था। 35 साल की रूपा 11 अगस्त को घर में अकेली थीं, तभी उनकी लाश मिली। पुलिस ने बताया कि उन्हें 27 बार चाकू मारा गया था। जांच में तब अहम सुराग मिला जब उन्होंने अपनी आंटी से आखिरी बार फोन पर बात की। फोन बंद होने से ठीक पहले उन्होंने 'बाबू' शब्द कहा था, जिससे जांच करने वालों को शक हुआ कि इसमें स्कूल के छात्रों का हाथ हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, जांच में तेज़ी तब आई जब पता चला कि हत्या के बाद दोनों नाबालिग लड़के बेहिसाब पैसे खर्च कर रहे थे और दोस्तों के साथ पार्टियां कर रहे थे।

इस साल हर तीसरे हफ्ते डिपोर्टेशन फ्लाइट, कनाडा से भी निकाले जा सकते हैं 1500 भारतीय छात्र

अमेरिका ने 15 दिन में 5200 भारतीयों को किया डिपोर्ट

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरे साल मिशन डिपोर्टेशन तेज कर दिया है। इस अगस्त के पहले 15 दिन में ही 5200 से अधिक भारतीयों को डिपोर्ट किया जा चुका है। इस बार की डिपोर्टेशन लिस्ट में एच-1 बी, ओ-1 और स्टूडेंट वीसा पर अमेरिका गए भारतीय भी शामिल हैं। इन प्रोफेशनल्स की भी अच्छी खासी संख्या है। इस साल हर तीसरे हफ्ते में एक डिपोर्टेशन फ्लाइट रवाना की गई।

वहीं, कनाडा के अल्बर्टा प्रांतीय सरकार ने पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिट (पीजीडब्ल्यूपी) रद्द कर दिया। अब वहां पर पढ़ाई कर रहे लगभग

1500 भारतीय छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा बढ़ गया है।

इमिग्रेशन एजेंसी (आईस) के एक अधिकारी के अनुसार अवैध प्रवासियों के खिलाफ इनकी धरपकड़ और डिपोर्टेशन दोनों की संख्या बढ़ी है। इस साल के अंत तक डिपोर्ट किए जाने वाले अवैध प्रवासियों की रिकॉर्ड संख्या होने वाली है। पिछले साल यानी 2025 में डिपोर्ट किए गए तीन हजार से ज्यादा भारतीयों में सभी ऐसे थे, जो अवैध रूप से अमेरिका में आए थे।

आईस ने जून में ही 801 भारतीयों को रिमूवल ऑर्डर (वापसी आदेश) जारी किया। हालांकि, इस रिमूवल ऑर्डर से तुरंत डिपोर्टेशन नहीं होता है। इसके खिलाफ कोर्ट में अपील की जा सकती है या फिर संबंधित व्यक्ति अपनी इच्छा से अमेरिका को छोड़ सकता है।

ट्रम्प ने ईरान पर लगाए सबसे बड़े आर्थिक प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि ईरान ने समझौते का मौका गंवा दिया, इसलिए अब उसे आर्थिक तौर पर अलग-थलग किया जाएगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि ईरान की मदद करने वाले देशों और संस्थाओं पर भी कार्रवाई होगी। इसमें बैंक, कंपनियां, एयरपोर्ट और सरकारी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने तेल तस्करी नेटवर्क पर कार्रवाई करने और कैश ट्रांसफर, करेंसी एक्सचेंज, जहाजों के रजिस्ट्रेशन और फर्जी कंपनियों के जरिए ईरान तक पहुंचने वाली आर्थिक मदद को रोकने की बात कही।

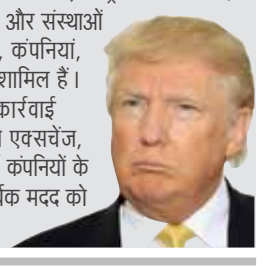

पहले 75 मिनट में दौड़ रही थी एक ट्रेन, 17 अगस्त से बढ़ाई फ्रीक्वेंसी, इसके बावजूद रोज औसतन 300 से 450 टिकट ही बिक रहे

स्टेशन सूने, मेट्रो खाली...हर 15 मिनट पर दौड़ रही ट्रेन, फिर भी 1 फेरे में गिने-चुने यात्री

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सुभाष नगर स्टेशन पर दोपहर 2.58 बजे मेट्रो ट्रेन रुकती है। अनाउंसमेंट के साथ ही मेट्रो के गेट खुलते हैं। लेकिन इसमें एक ही यात्री सवार था। सुभाष नगर स्टेशन से ट्रेन में दो यात्री हो जाते हैं। पूरी तरह खाली ट्रेन दोपहर 3 बजे ट्रेन एम्स की ओर जाने के लिए चलने लगती है। पांच मिनट बाद ट्रेन केंद्रीय विद्यालय स्टेशन पर पहुंचती है, लेकिन यहां कोई यात्री सवार नहीं होता। डीबी मॉल और एमपी नगर स्टेशन पर हालत ऐसी ही। ट्रेन रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन से एक छात्र सवार होता है और ट्रेन डीआरएम, अलकापुरी होते हुए एम्स स्टेशन की ओर रवाना हो जाती है। यानी, तीन-चार सवारी एक कोच में नजर आते हैं। यह हाल है भोपाल मेट्रो ट्रेन का। 21 दिसंबर 2025 से शुरू मेट्रो ट्रेन में लोगों ने खूब सवारी की, लेकिन एक महीने बाद ही मेट्रो यात्रियों के लिए तसरने लगी। मप्र रेल कॉरपोशन प्रबंधन पहले 75 मिनट में ट्रेन चलाता था। लेकिन यात्रियों के इंतजार के कारण इसे 17 अगस्त से हर 15 मिनट में चलाने लगा। मंशा यह थी कि समय-समय पर मेट्रो मिलेगी तो लोग एम्स तक की यात्रा के लिए रुझान बढ़ेगा। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ट्रेन अब ज्यादा फेरे लगा रही है। लेकिन यात्रियों का आंकड़ा नहीं बढ़ रहा है। जानकारों की मानें तो इसकी सबसे बड़ी वजह छोटा रूट, इंटरचेंज, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी और पार्किंग न होना है। बताते हैं, चूंकि अभी शहर में 6.22 किमी के छोटे हिस्से में ही मेट्रो दौड़ रही है। शहर का बड़ा हिस्सा इससे अछूता है। इसलिए लोगों का रुझान नहीं बढ़ रहा। लेकिन हर 15 मिनट में संचालन से प्रबंधन का खर्च बढ़ रहा है।

इंटरचेंज की कमी
छोटे हिस्से पर ही मेट्रो होने से यात्री को दूसरे हिस्से में जाने के लिए मेट्रो से उतरकर सड़क से जाना पड़ रहा है।

छोटी कनेक्टिविटी
घर से स्टेशन व स्टेशन से गंतव्य तक सुविधाजनक फीडर व्यवस्था जरूरी है। अभी कनेक्टिविटी पूरी नहीं है।

पर्याप्त पार्किंग नहीं
दोपहिया या कार से आने वाले यात्री के लिए स्टेशन के आसपास व्यवस्थित पार्किंग महत्वपूर्ण है।

यात्रा की लागत
मेट्रो का टिकट कम होने के बावजूद स्टेशन तक आने-जाने का खर्च जुड़ जाता है।

ज्यादा किराए का भी पड़ रहा असर
प्रायोरिटी कॉरिडोर पर किराया दूरी के हिसाब से तय किया गया है। एक स्टेशन की यात्रा के लिए 20 रुपए, तीन से पांच स्टेशनों के लिए 30 रुपए और पूरे सुभाष नगर-एम्स सफर के लिए 40 रुपए किराया रखा गया था। 40 रुपए का टिकट अपने आप में बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन यात्री की जेब से सिर्फ यही रकम नहीं निकलती। स्टेशन तक आने का ऑटो या ई-रिक्शा, फिर स्टेशन से गंतव्य तक जाने का खर्च जोड़ें तो सड़क परिवहन की तुलना में अंतर कम हो सकता है। यही कारण है कि मेट्रो को सिर्फ टिकट सस्ता करने से नहीं, पूरे डोर-टू-डोर सफर को सस्ता और आसान बनाने से यात्री मिलेंगे।

सेंट्रल स्टोर डिपो में तैनात था महाराष्ट्र का संदीप

ड्यूटी पर तैनात एसएसबी जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भदभदा रोड स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सेंट्रल स्टोर डिपो एंड वर्कशॉप यूनिट में ड्यूटी कर रहे आरक्षक की गोली लगने से मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरक्षक ने सर्विस रायफल से खुद को गोली मारी। कमला नगर पुलिस ने ने रायफल और गोली के दोनों हिस्से बरामद किए हैं। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक की पहचान 36 वर्षीय संदीप खरमटे के रूप में हुई है। वह महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के पथार्डी क्षेत्र का रहने वाला और भोपाल में एसएसबी की सेंट्रल स्टोर डिपो एंड वर्कशॉप यूनिट में पदस्थ था। ड्यूटी के दौरान उसने पत्नी से फोन पर बातचीत की थी।

सुसाइड नोट मिला, इसमें परिवार से मांगी माफी
पुलिस को संदीप का शव ड्यूटी पॉइंट के पास मिला। पुलिस को संदीप की वर्दी की जेब से मराठी भाषा में लिखा सुसाइड नोट भी मिला है। नोट पर रात 2:40 बजे का समय दर्ज है। इसमें पत्नी और परिवार का जिक्र करते हुए संदीप ने लिखा है कि परिवार ने उसका बहुत साथ दिया, लेकिन वह ऐसे हालात में फंस गया था। इससे तंग आकर वह यह कदम उठा रहा है। उसने मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बता परिवार से माफी मांगी है।

अंत्येष्टि में जा रहे थे सांसद आलोक शर्मा 2 घंटे जाम में फंसे; फोन कर कलेक्टर और सीपी को मौके पर बुलाया

सड़क किनारे बेतरतीब खड़े आटो, वाहन, गुमठियां और अस्थायी दुकानों से यातायात बाधित हो रहा था। सांसद ने कलेक्टर प्रियंक मिश्रा व पुलिस आयुक्त संजय कुमार से फोन पर बात कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

भोपाल। छोला विश्रामघाट जाने वाला महज दो किमी का रास्ता दो घंटे जाम हो गया। परिचित की अंत्येष्टि में शामिल होने जा रहे भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी इस अव्यवस्था में फंस गए। उन्होंने प्रशासन-पुलिस के वरिष्ठ अफसरों को फोन कर स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। अफसरों के अमले ने मौके पर पहुचंकर रास्ता साफ कराया।

इन सीटों पर इसी सत्र से नीट के जरिए होंगे प्रवेश

खुशखबर: भोपाल में बीएचएमएस की 160 नई सीटों को मिली मंजूरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

होम्योपैथी में कॅरियर बनाने की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अच्छी खबर है। भोपाल में बीएचएमएस यानी बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी की 160 नई सीटों को मंजूरी मिल गई है। नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी नई दिल्ली ने सत्र 2026-27 के लिए रामकृष्ण होम्योपैथिक कॉलेज में 100 सीटों और भाभा होम्योपैथिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 60 सीटों को अनुमति दी है। नई सीटें मिलने से अब प्रदेश के उन छात्रों के लिए मेडिकल क्षेत्र में कॅरियर का एक और विकल्प बढ़ गया है, जो होम्योपैथी चिकित्सा में पढ़ाई करना चाहते हैं।

खास यह कि दोनों कॉलेजों में इसी शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों को नीट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

देश में 8 कॉलेजों को मिली मान्यता
आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पांडेय ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में स्नातक स्तर पर नए होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए एनसीएच को 21 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से आठ कॉलेजों को मान्यता प्रदान की गई है। मप्र के साथ राजस्थान, महाराष्ट्र व आंध्रप्रदेश में भी नए होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों को अनुमति मिली है। इससे देश में होम्योपैथी शिक्षा के लिए सीटें बढ़ेंगी। भोपाल में 160 नई सीटें शुरू होने से प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए अपने ही शहर में इस पाठ्यक्रम में प्रवेश का अवसर भी बढ़ा है।

शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का केस दर्ज

जेपी अस्पताल में हंगामा कर रहे शराबी ने प्रधान आरक्षक को पीटा, वर्दी फटी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित जय प्रकाश अस्पताल परिसर की पुलिस चौकी में तैनात प्रधान आरक्षक से एक शराबी ने मारपीट कर दी। शराब के नशे में धुत आरोपी अस्पताल परिसर में हंगामा कर रहा था। समझाइश देने पर उसने प्रधान आरक्षक से अभद्रता की। प्रधान आरक्षक ने उसे पकड़कर बाहर करने लगे। इसी बीच आरोपी ने उन्हें पीटा और झूमाझटकी में प्रधान आरक्षक की वर्दी भी फट गई। नाखून लगने से उन्हें खरोंच आई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के अनुसार पुलिस लाइन नेहरू नगर निवासी नवीन सूर्यवंशी (41) जेपी अस्पताल चौकी थाना हबीबगंज में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। उनकी ड्यूटी मंगलवार 18 अगस्त की सुबह दस बजे से रात दस बजे तक थी। दोपहर करीब ढाई बजे किसी ने बताया कि कोरोना वार्ड के पास शराब के नशे में धुत अनिल बिराड़े (45) पंपापुर राहुल नगर पहुंचा और गाली-गलौज कर हंगामा करने लगा। मरीजों और डॉक्टरों को परेशानी हो रही थी। लिहाजा प्रधान आरक्षक सूर्यवंशी ने उसे पकड़ लिया। परिसर में बाहर जाने को कहा तो आरक्षक से ही गाली-गलौज की और मारपीट कर दी।

ग्वालियर में जर्जर सड़कों पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, शुरू कराई न्यायिक जांच तो भोपाल में भी बढ़ी आस

मी-लॉर्ड ! हमारे शहर की सड़कों से भी झांक रहा भ्रष्टाचार, इधर भी ध्यान दीजिए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ग्वालियर में पांच साल में सड़कों की मरम्मत पर 310 करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए। इसके बाद भी सड़कें जगह-जगह टूटी हैं। गड्ढों में समाई इन सड़कों पर जनता की तकलीफ अफसरों ने नहीं देखी। न ही उनकी सुनी तब हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने संज्ञान लिया। पहली बार प्रदेश में ज्यूडिशियल कमीशन बनाकर सड़कों की जांच शुरू कराई। लेकिन सड़कों की ऐसी दुदर्शा सिर्फ ग्वालियर में ही नहीं है। राजधानी में भी सड़कों की हालत खस्ताहाल है।

सूत्र बताते हैं कि भोपाल नगर निगम हर साल सड़कों के मेंटेनेंस और पैचवर्क के लिए 30 से 75 करोड़ तक का बजट रखता है। इनमें से अधिकांश राशि बकायदा खर्च भी हो रही है, लेकिन भ्रष्टाचार ऐसा है कि मरम्मत एक ही बारिश में धुल जाती है। मरम्मत का भी नायाब तरीका अफसरों ने निकाला है। बारिश से पहले ही ऐसी सड़कों पर वे डामर का पैबंद लगा रहे हैं। लेकिन डामरीकरण करने से पहले नियमानुसार सड़क की न तो सफाई की जा रही है। न ही टेककोट डालने और उस पर 80 डिग्री तक गर्म मिक्सर डालकर रोलर से दबाकर सील किया जा रहा है। इसलिए एक ही बारिश मे सड़कों पर भ्रष्टाचार का पैबंद उधड़ रहा है और लोग गड्ढे में चलने को मजबूर हैं। ग्वालियर में हाईकोर्ट की पहल के बाद अब भोपाल के लोगों की भी कोर्ट से उम्मीद बढ़ गई है।

गौतम नगर से रचना नगर अंडर ब्रिज के पास ऐसे हालात हैं। जगह-जगह गड्ढों के कारण आवाजाही मुश्किल हो रही है।

सलैया में सड़क टूटी तो इंजीनियरों ने पेवर ब्लॉक लगाकर इसकी खानापूर्ति करने की कोशिश की।

शहर में ये सड़कें बदहाल, चलना भी दूभर

154 करोड़ का आंबेडकर फ्लाइओवर
पीडब्ल्यूडी ने रीवा की कंपनी से 154 करोड़ रुपए में गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक 3 किमी लंबा फ्लाइओवर बनवाया। जनवरी 2025 में लोकार्पण के 15 दिन बाद ही सरफेस उखड़ गया। दो सब इंजीनियर व कार्यपालन यंत्री सस्पेंड किए। फिर भी हालत नहीं सुधरी। अब फ्लाइओवर पर गड्ढे हैं। कई जगह डामर निकलने से बजरी-गिट्टी फैल गई। लोहे के एंगल भी निकले।

बावड़िया ब्रिज से डीके कॉटेज रोड
पीडब्ल्यूडी बारिश के दौरान बावड़िया ब्रिज से डीके कॉटेज रोड पर पैचवर्क करा रहा है। यह जानते हुए भी पानी और डामर एक-दूसरे के दुश्मन हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, यह पैचवर्क नहीं टिकेगा।

मैनिट रोड उखड़ी
एक साल पहले फोरलेन रोड डामर से दुरुस्त किया। डेढ़ करोड़ रुपए फूंक दिए, लेकिन अब यह पूरी तरह उखड़ गई। कोलार गेस्ट हाउस, पत्रकार कॉलोनी, मैनिट के बीच रोड पर गाड़ी चलाना मुश्किल है।

आयकर ऑफिस से सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन
अरेरा हिल्स आयकर कार्यालय से मेट्रो के सुभाष स्टेशन की ओर रोड पर बड़े व गहरे गड्ढे बन गए हैं। मेट्रो लाइन के नीचे ऐसी ही हालत है। यहां मेट्रो कॉरपोरेशन को सुधार करना है, इसलिए पीडब्ल्यूडी व निगम ने अपने हाथ खड़े कर दिए।

यहां भी हालात बेहद बुरे, सड़कें चलने योग्य भी नहीं

- एमपी नगर से अरेरा कॉलोनी में अमृत 2.0 के तहत की गई खुदाई से सडक़ें लगभग पूरी तरह खुद गई। घटिया रेस्टोरेशन से रोड के गड्ढे उभरकर ट्रैफिक में दिक्कत हो रही है। दुर्घटना की भी आशंका बढ़ रही है।
- शाहपुरा से लगे क्षेत्रों में बारिश के दौरान सड़कों का काम किया जा रहा है। यहां खोदी सड़कों से बारिश में फिसलन जैसी स्थिति बन रही है।
- देवी अहिल्या तिराहा से गुलमोहर व आगे तक, सलैया क्षेत्र में कोलार की तरफ गैस लाइन बिछाने के लिए हुई खुदाई से सडक़ें खराब हो गई। चलने योग्य नहीं बची। बारिश के दौरान गड्ढों में जलभराव से दुर्घटना की स्थिति बन रही है।
- अरेरा कॉलोनी से गुलमोहर और इसके आगके तक व्हाइट टॉपिंग का अधूरा काम बारिश में दुर्घटना का सबब बन रहा है।

..इसलिए नहीं टिक रहा पैचवर्क
विशेषज्ञों का कहना है कि पैचवर्क से पहले सड़क के हिस्से को ब्रश या वैक्यूम क्लीनर से साफ करना पड़ता है। पैचवर्क वाले हिस्से को अच्छी तरह गर्म कर टेक कोट डालने का प्रावधान है। इसके बाद मिक्सर बिछाने के बाद ऊपर रोलर चलाकर दबाव बढ़ाया जाता है, ताकि मिट्टी दब जाए। फिर गिट्टी और डामर का मिक्सर 70 से 80 डिग्री तक गर्म कर डाला जाता है। लेकिन आमतौर पर ठेकेदार रुपए बचाने के फेर में ऐसा नहीं कर रहे। नतीजा, अच्छी तरह सील कोट न होने से एक ही बारिश में सड़कों से पैचवर्क बिखर रहा है।

भाजपा का विकास मॉडल बेनकाब, जनता त्रस्त : आशीष

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने कहा कि रीवा-विंध्य में बारिश के बाद शहर से गांव तक बिगड़े हालात ने भाजपा सरकार के विकास मॉडल की वास्तविक तस्वीर सामने रख दी है। जलभराव, बाधित आवागमन, बिजली व बुनियादी सुविधाओं की बदहाली से आमजन परेशान है। वे घर व कारोबार बचाने की चिंता में हैं। किसान फसल बचाने की जद्दोजहद में है। गरीब परिवार राहत की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकार तुरंत प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे करा नुकसान का आकलन और पात्र परिवारों को राहत दे।

लघुकथाकारों ने पढ़ीं रचनाएं तो झलका आम आदमी का दर्द

'लघुकथा को सहजता से आगे बढ़ने दें, यह आम आदमी की व्यथा से उपजी विधा है'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

'लघुकथा को सहजता से आगे बढ़ने दें उसे जटिल नियमों के बंधनों में न जकड़ें लघुकथा लोक से उपजी विधा है। यह किसानों-मजदूरों, यानी आम आदमी की व्यथा से उपजी विधा है। ये बातें आचार्य संजीव वर्मा सलिल वरिष्ठ साहित्यकार व अध्यक्ष विश्व वाणी हिंदी संस्थान जबलपुर ने रखीं। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा हिंदी भवन के लघुकथा केंद्र पुस्तकालय सभागार संबोधित कर रहे थे। प्रो . डॉ. अर्जुन चव्हाण पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग शिवाजी विवि कोल्हापुर महाराष्ट्र के सम्मान में हुई लघुकथा गोष्ठी में स्वागत उद्बोधन लघुकथाकार मुजफ्फर इकबाल सिद्दीकी ने दिया। डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मप्र संस्कृति परिषद, कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल, आचार्य संजीव वर्मा सलिल, घनश्याम मैथिल अमृत महासचिव लघुकथा शोध केंद्र समिति ने शॉल, श्रीफल, मोतियों की माला और स्मृति चिह्न भेंटकर डॉ. चव्हाण का स्वागत किया। इसके बाद आचार्य संजीव वर्मा सलिल के लघुकथा संग्रह 'आदमी ज़िन्दा है' का लोकार्पण किया।

मुजफ्फर इकबाल सिद्दीकी ने 'अंतिम सम्वाद' तो सरिता बघेला ने 'विश्व शांति' और डॉ. मालती बसंत ने खत्म स्मृति, कर्नल डॉ. गिरजेश सक्सेना ने 'पराई औलाद', कांता राय ने 'असफल प्रयोग का बाजार' व घनश्याम मैथिल ने- 'आक्सीजन प्लांट 'लघुकथाएं पढ़ीं।

---

14 साल की छात्रा से पड़ोसी ने की दरिंदगी, फिर करने लगा ब्लैकमेल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में रहने वाली 14 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ 25 साल के पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। आरोपी ने वारदात के बाद नाबालिग को ब्लैकमेल किया और बार-बार मिलने बुलाता रहा। परेशान होकर छात्रा ने परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजनों ने बिलखिरिया थाने केस दर्ज कराया। पुलिस ने बताया, आरोपी ने नाबालिग को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद वह घटना को लेकर उसे धमकाता और ब्लैकमेल करता रहा। मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही आरोपी फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है।

मेट्रो एंकर भोपाल व संत हिरदाराम नगर स्टेशन का वीडियो वायरल, पीआरओ बोले-जांच करेंगे

रेलवे स्टेशनों पर अवैध वेंडरों का कब्जा, बेच रहे घटिया खाना

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल और संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर अवैध वेंडरों की बढ़ती गतिविधियां यात्रियों के लिए परेशानी बनकर सामने आ रही हैं। बिना अनुमति और लाइसेंस के वेंडर प्लेटफॉर्म पर खुलेआम खाद्य सामग्री बेच रहे हैं। इससे यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है, बल्कि उनकी सेहत पर भी खतरा मंडरा है। रेलवे प्रशासन की जाने वाली जांच और कार्रवाई भी इन पर अंकुश लगाने में नाकाम है। संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर यहां ट्रेन के आने के साथ ही सामने आए कुछ वीडियो में कथित अवैध वेंडर खुलेआम सामग्री बेचते नजर आ रहे हैं। यह सब आरपीएफ जवानों के सामने हो रहा है।

खाने की गुणवत्ता भी बेहद घटिया
मामले को लेकर यात्रियों का कहना है कि बिना लाइसेंस वाले वेंडर घटिया क्वालिटी का सामान ऊंचे दामों पर बेचते हैं। कई बार खाने-पीने की चीजें खुले में रखी जाती हैं, जिससे संक्रमण का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। रेलवे प्रशासन और आरपीएफ की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। संत हिरदाराम नगर पर आरपीएफ जवानों के ठीक सामने यह वेंडर अवैध तरीके से खाना बेचते नजर आ रहे हैं।

दोनों स्टेशनों पर मिलीभगत से चल रहा खेल
सूत्र बताते हैं, हिरदाराम नगर स्टेशन पर पुलिस की मिलीभगत से अवैध वेंडरों की दुकान चल रही है। इसमें आरपीएफ कांस्टेबल का नाम भी सामने आ रहा है। वहीं, भोपाल रेलवे स्टेशन के फूड प्लाजा को लेकर एक शिकायत ने रेलवे और आईआरसीटीसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जिस फूड प्लाजा में टेंडर के समय प्लेटफॉर्म की तरफ से सीधी प्रवेश की अनुमति नहीं थी, वहां बाद में कांच की दीवार हटाकर प्लेटफॉर्म नंबर-1 से सीधी एंट्री बना दी गई। इस बदलाव को टेंडर की शर्तों और स्वीकृत लेआउट का उल्लंघन बताया गया है। यह भी साफ कर रहा है कि प्लेटफॉर्म में बिना मिलीभगत के धंधा नहीं चल रहा है।

सीसीटीवी फुटेज से करेंगे पहचान, फिर कार्रवाई
बता दें, ठेकेदार के जरिए करीब 60-80 अवैध वेंडर प्लेटफॉर्म पर घूम रहे हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वेंडरों के पास लाइसेंस नहीं है। इस पर भोपाल मंडल के पीआरओ नवल अग्रवाल का कहना है कि वीडियो के आधार और सीसीटीवी देखकर सभी वेंडरों की शिनाख्त की जाएगी। इसके बाद जांच करेंगे। अवैध वेंडरों पर कार्रवाई की जाएगी।

सहकार से समृद्धि... बीज विपणन, दुग्ध समितियों से लेकर जिला सहकारी बैंकों को मजबूत बनाने की पहल के साथ बदल रही है गांवों की तस्वीर

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस; प्रदेश की सभी 4,536 पैक्स संस्थाएं पूरी तरह डिजिटल

वित्तीय समावेशन में देश का अग्रणी राज्य बना मप्र

भोपाल

मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने बड़ी सफलता हासिल की है। प्रदेश की सभी 4,536 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) को शत-प्रतिशत डिजिटल कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक कंप्यूटरीकरण के साथ मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। इस डिजिटल क्रांति से किसान जल्द ही मोबाइल एप के जरिए अपनी समिति से जुड़ सकेंगे। वे अपने वित्तीय ट्रांजेक्शन और ऋण संबंधी कार्य घर बैठे ही आसानी से कर पाएंगे।

कमजोर सहकारी बैंकों के लिए विशेष कार्ययोजना

मध्यप्रदेश सरकार ने कमजोर जिला सहकारी बैंकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 3 साल का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में तेजी से काम करते हुए पिछले ढाई साल में 18 कमजोर जिला सहकारी बैंकों में से 6 बैंकों की माली हालत में सुधार के लिए बड़े कदम उठाए जा चुके हैं।

सहकारिता विभाग की बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव।

2 वर्षों में 14 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का विपणन

बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) और राज्य के सहकारी बीज संघ के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इस साझेदारी से अब तक 17 करोड़ रुपये का व्यावसायिक टर्नओवर मिल चुका है। इसके साथ ही 844 पैक्स संस्थाएं इसकी सदस्य बन चुकी हैं। इस व्यवस्था के तहत पिछले 2 वर्षों में 14 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का रिकॉर्ड उत्पादन और देशव्यापी विपणन किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 1,102 नई दुग्ध समितियों का गठन

सहकारिता का दायरा बढ़ाते हुए ग्रामीण इलाकों में 1,102 नई दुग्ध सहकारी समितियां बनाई गई हैं। अब प्रदेश में कुल दुग्ध समितियों की संख्या बढ़कर 5,562 हो गई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 76 हजार नए दुग्ध उत्पादक सदस्यों के बचत खाते सीधे जिला सहकारी बैंकों में खोले गए हैं।

डिजिटल सहकारिता क्रांति

- **घर बैठे बैंकिंग:** सभी 4,536 पैक्स के डिजिटल होने से किसानों को बिना चक्कर काटे ऋण और खाद-बीज की पारदर्शी सुविधाएं सीधे मिलेंगी।
- **प्रमाणित बीज की आसान पहुंच:** 14 लाख क्विंटल रिकॉर्ड प्रमाणित बीजों के विपणन से किसानों को उन्नत और उच्च गुणवत्ता वाले बीज समय पर मिल रहे हैं।
- **सुदृढ़ बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर:** 6 जिला सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति सुधरने से किसानों को स्थानीय स्तर पर बेहतर बैंकिंग सेवाएं मिल रही हैं।
- **दुग्ध उत्पादकों को संबल:** 76 हजार नए सदस्यों के बैंक खाते खुलने से दूध की बिक्री का पैसा बिना किसी देरी के सीधे उनके खातों में पहुंच रहा है।

प्रतिदिन दुग्ध संकलन 10 से बढ़ाकर 50 लाख लीटर करने का रोडमैप तैयार

देश की मिल्क कैपिटल बनेगा एमपी

एनडीडीबी के साथ ऐतिहासिक अनुबंध, दुग्ध संघों के खरीदी मूल्य में ₹8.50 प्रति ली. तक की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

दुग्ध संकलन वाले गांवों की संख्या अगले 5 वर्ष में 9 हजार से बढ़ाकर 26 हजार करने की तैयारी में सरकार

भोपाल

मध्यप्रदेश को देश की अग्रणी 'मिल्क कैपिटल' के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सांची ब्रांड को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ ऐतिहासिक अनुबंध किया है। इसके तहत दैनिक दुग्ध संकलन क्षमता बढ़ाकर 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का रोडमैप तैयार किया गया है। पशुपालकों को उनके परिश्रम का सही मूल्य दिलाने के लिए दुग्ध संघों द्वारा दूध की खरीदी दरों में रिकॉर्ड 2.50 से लेकर 8.50 रुपये प्रति लीटर तक की भारी बढ़ोतरी की गई है। इसके फलस्वरूप दुग्ध संघों ने उत्पादक किसानों को पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक राशि का सीधा भुगतान किया है। वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन 9.67 लाख किलोग्राम औसत दुग्ध संकलन की ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो चुकी है। अगले 5 वर्षों के भीतर दूध संकलन वाले गांवों की संख्या को 9 हजार से बढ़ाकर 26 हजार किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के कम से कम 50 प्रतिशत गांवों में प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियां बनाई जाएंगी।

बाजार की चिंता खत्म, दैनिक आय में बढ़ोतरी के साथ स्वरोजगार पर जोर

एनडीडीबी से करार के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत करते सीएम।

- **सुनिश्चित खरीदी:** अगले 5 वर्षों में दायरा 9 हजार से बढ़कर 26 हजार गांव होने से पशुपालकों को दूध बेचने के लिए अपने गांव में ही पक्का बाजार मिल जाएगा।
- **सीधे खाते में ज्यादा लाभ:** खरीदी दरों में ₹8.50 प्रति लीटर तक की वृद्धि और कुल भुगतान में 15% की बढ़ोतरी से ग्रामीण परिवारों की दैनिक नकदी आय बढ़ी है।
- **कमर्शियल डेयरी को संबल:** 42 लाख रुपये तक के ऋण पर 33% तक की भारी सरकारी सब्सिडी से युवाओं के लिए डेयरी क्षेत्र में स्वरोजगार शुरू करना आसान हुआ है।
- **नस्ल सुधार से उत्पादन:** हिरण्यगर्भा अभियान के तहत उन्नत पशु नस्ल तैयार होने से प्रति पशु दुग्ध उत्पादन क्षमता में आने वाले समय में भारी वृद्धि होगी।

वृंदावन ग्राम योजना व डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना के साथ दुग्ध उत्पादकों को सौगात

ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को लाभकारी बनाने के लिए हर विकासखंड के एक गांव को आदर्श वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 दुधारू पशुओं की नई कमर्शियल डेयरी इकाई लगाने के लिए ₹42 लाख तक की ऋण सहायता दी जा रही है, जिसमें 25% से लेकर 33% तक की भारी सब्सिडी का प्रावधान है। इसके अलावा 10 से ज्यादा गाय पालने पर सरकार द्वारा विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

ग्वालियर में बायोगैस सीएनजी प्लांट स्थापित, हिरण्यगर्भा अभियान से होगा नस्ल सुधार

शुधन कल्याण के लिए ग्वालियर की आदर्श गौ-शाला में देश के पहले 100 टन क्षमता वाले बायोगैस आधारित सीएनजी प्लांट की सफल स्थापना की जा चुकी है। चिकित्सा सुविधाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए ग्वालियर में आधुनिक 'पशु केयर एंड वेलनेस सेंटर' तथा डबरा में नया हाइटेक पशु चिकित्सालय स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही पशुओं के नस्ल सुधार के लिए पूरे प्रदेश में "हिरण्यगर्भा अभियान" का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

नीली क्रांति: 'कुवैत की अंतरराष्ट्रीय मत्स्य कंपनी के साथ 7,430 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक एग्रीमेंट

मत्स्य पालन में वैश्विक छलांग, नई नीति होगा 9,000 करोड़ का निवेश

प्रदेश से 6,000 करोड़ के मत्स्य निर्यात का वार्षिक निर्यात का लक्ष्य

भोपाल

मध्यप्रदेश में नीली क्रांति को रफ्तार देने और मछुआरों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 लागू की गई है। इस नई नीति के दूरगामी प्रभावों के चलते मत्स्य पालन क्षेत्र में 9,000 रुपये करोड़ से अधिक के भारी औद्योगिक निवेश के प्रस्ताव जमीन पर उतर रहे हैं। राज्य के पास वर्तमान में उपलब्ध 4 लाख 40 हजार हेक्टेयर के विशाल जलक्षेत्र का अब पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जा रहा है, जिससे एमपी ने अंतर्देशीय मत्स्य पालन में दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान बनाई है। नई मत्स्य नीति के तहत एमपी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। कुवैत की एक प्रतिष्ठित वैश्विक कंपनी ने राज्य सरकार के साथ 7,430 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक व्यापारिक समझौता किया है। इस समझौते के माध्यम से प्रदेश से सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगभग 6,000 करोड़ रुपये के उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य निर्यात का लक्ष्य रखा गया है। इससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 35 हजार से अधिक नए रोजगार के अवसर तैयार होंगे।
: मत्स्य पालन को आधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए काम जारी है। इसके तहत राज्य में केज कल्चर, फिश प्रोसेसिंग यूनिट्स, स्मार्ट फिश पार्लर और कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही धान उत्पादक किसानों को अपने खेतों में मछली पालन करने के लिए विशेष वित्तीय और तकनीकी मदद दी जा रही है।

मछुआरों को यह फायदे मिलेंगे

- **रोजगार के नए अवसर:** कुवैत की कंपनी के साथ हुए समझौते से प्रदेश में 35 हजार से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए मौके मिलेंगे।
- **दोहरी आय का साधन:** धान की खेती के साथ मछली पालन जोड़ने से किसानों को अतिरिक्त लागत लगाए बिना कमाई का दूसरा पक्का जरिया मिल रहा है।
- **आसान वित्तीय मदद:** मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से पारंपरिक मत्स्य पालकों को बेहद कम ब्याज दर पर तुरंत लोन की सुविधा मिल रही है।
- **नए उद्योगों से मुनाफा:** हर जिले में हैचरी और मोती पालन शुरू होने से स्थानीय युवाओं को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार का लाभ मिलेगा।

आधुनिक हैचरी और ब्लू टूरिज्म को बढ़ावा

प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक आधुनिक और उन्नत मत्स्य हैचरी विकसित की जा रही है। इसके अलावा एक्वापोनिक्स, मोती पालन, बतख पालन और जलाशयों के आसपास ब्लू टूरिज्म मॉडल्स को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड के वितरण में भी प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है।

वन विज्ञान केंद्रों के लिए 48 करोड़ स्वीकृत

किसानों को मिलेगा औषधीय व व्यावसायिक खेती का प्रशिक्षण

भोपाल

मध्यप्रदेश में किसानों को व्यावसायिक और औषधीय खेती का प्रशिक्षण देने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा नीतिगत ढांचा तैयार किया है।

इसके तहत वनों के पास रहने वाले कृषकों को कृषि-वानिकी की आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा। सरकार ने वर्ष 2025-26 से 2029-30 की अवधि के भीतर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में 6 नए अत्याधुनिक वन विज्ञान केंद्रों की स्थापना के लिए 48 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

ये केंद्र किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ कीमती औषधीय पौधों और व्यावसायिक वन वृक्षों को लगाने की वैज्ञानिक पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इससे पर्यावरण संरक्षण में सुधार होने के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और किसानों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित होगी।

तकनीक बनी वरदान..कीटों से शत-प्रतिशत बचाव, ऑफ-सीजन में भी बंपर उत्पादन

कम पानी और शून्य बजट में फसलों की सुरक्षा; तेजी से बढ़ रहा संरक्षित खेती का दायरा, पॉलीहाउस और शेडनेट बने वरदान

टपक सिंचाई (ड्रिप) और मल्चिंग तकनीक से लागत में आधी कमी

भोपाल

मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती के साथ-साथ अब संरक्षित खेती को एक नई और अत्यधिक मुनाफे वाली कृषि पद्धति के रूप में तेजी से अपनाया जा रहा है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में प्रदेश के हजारों किसान अब खुले खेतों की पारंपरिक कृषि को छोड़कर आधुनिक पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस की तरफ रुख कर रहे हैं।

इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसके अंतर्गत फसलों को अत्यधिक तेज धूप, ओलावृष्टि, पाला और

हानिकारक कीटों के आक्रमण से पूरी तरह सुरक्षित रखा जा सकता है, जिससे फसलों का उत्पादन 3 से 4 गुना तक बढ़ जाता है। इस पद्धति के तहत विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन और पीएम सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों को 40% से 50% तक का भारी शासकीय अनुदान प्रदान किया जा रहा है, जिससे लागत बेहद कम हो जाती है।

ड्रिप इरीगेशन (टपक सिंचाई) और प्लास्टिक मल्चिंग तकनीक का अनिवार्य रूप से उपयोग किया जाता है। ड्रिप तकनीक से पौधों की जड़ों तक सीधे बूंद-बूंद पानी और आवश्यक लिक्विड फर्टिलाइजर पहुंचाया जाता है, जिससे पानी की 70% तक बचत होती है और खाद का एक भी दाना व्यर्थ नहीं जाता। वहीं, मल्चिंग पेपर बिछाने से खेतों में खरपतवार पूरी तरह समाप्त हो जाती है और मजदूरी की लागत में भारी कमी आती है। मालवा और निमाड़ अंचल के जिलों में इस पद्धति से खीरा-ककड़ी, शिमला मिर्च, तरबूज और गुलाब जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों का रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन लिया जा रहा है, जो कम समय में किसानों को लखपति बनाने वाली सर्वश्रेष्ठ पद्धति साबित हो रही है।

उद्यानिकी नवाचार, कृषि नीति एवं इंफ्रास्ट्रक्चर

1. **₹20.00 करोड़** – BARC बॉम्बे के सहयोग से भोपाल में 'विकिरण तकनीकी इकाई' की स्थापना
2. **₹1.25 करोड़** – RRCAT के सहयोग से इंदौर में अत्याधुनिक 'शीतल वाहक संयंत्र' परियोजना
3. **₹11.34 करोड़** – सागर (ढिला) व देवास (कन्नौद) में संकर सब्जी बीजोत्पादन क्लस्टर
4. **₹2.5 करोड़** – मालवा व चंबल के 12 प्रमुख जिलों में 'पोटेटो कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग'
5. **10 नए जिले** – जबलपुर, रीवा, कटनी आदि 10 नए जिलों में मखाना खेती का सफल प्रसार
6. **₹505 करोड़** – गौसंवर्धन बोर्ड का बजटीय कोष गौशालाओं को चारा-भूसा अनुदान हेतु
7. **2,056+ गौशालाएं** – प्रदेश में सरकारी संरक्षण में संचालित, जहां 3.98 लाख गौ-वंश का पालन
8. **4 'आदर्श' जिले** – आगर मालवा, इंदौर, ग्वालियर व उज्जैन में सर्वसुविधायुक्त आदर्श गौशालाएं

करुणा और सेवा का नया अध्याय... पशुपालन विभाग को अब गौपालन का नाम, आर्थिक स्वावलंबन से सुविधाओं तक का खाका तैयार

प्रति गौ-वंश दैनिक आहार भत्ता राशि अब दोगुना; प्रदेश की 2,000 से ज्यादा गौशालाओं में पल रहे 3.98 लाख से अधिक गौ-वंश को मिला आर्थिक संबल

भोपाल

भारतीय संस्कृति और ग्रामीण जीवन की धुरी माने जाने वाले गौ-वंश के संरक्षण के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने करुणा और संवेदनशीलता से भरा एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पशुपालन विभाग का नाम अब आधिकारिक रूप से 'गौपालन विभाग' कर दिया गया है। गौ-वंश के बेहतर और पौष्टिक आहार को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने प्रति गौ-वंश मिलने वाली 20 रुपये की दैनिक आहार राशि को सीधे दोगुना करके 40 रुपये कर दिया है। इस योजना को निर्बाध रूप से चलाने के लिए प्रदेश के गौसंवर्धन बोर्ड को 505 करोड़ रुपये के भारी बजटीय कोष का विशेष प्रावधान किया गया है।

चारा-भूसा अनुदान के लिए 505 करोड़ रुपये का विशेष बजटीय कोष

वर्तमान में सरकार के सहयोग से प्रदेश में 2,056 से अधिक गौ-शालाओं का सफल संचालन हो रहा है। इन गौशालाओं में 3 लाख 98 हजार से अधिक गौ-वंश का पूरी संवेदनशीलता के साथ पालन-पोषण किया जा रहा है। वहीं, 4 जिलों-आगर मालवा, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श गौशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जबकि भोपाल, जबलपुर और सागर में इनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

पंचगव्य उत्पादों से आत्मनिर्भर बनेंगी गौशालाएं: सरकार ने स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 को मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत गौशालाओं के पंचगव्य उत्पादों, जैविक खाद, गोमूत्र अर्क और प्राकृतिक कीटनाशकों की बिक्री के लिए एक आधुनिक मार्केटिंग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

हाइड्रोलिक वीकल से मिलेगा नया जीवन: सड़कों पर दुर्घटनाग्रस्त या बीमार होने वाली असहाय गायों के त्वरित उपचार के लिए भी एक अनूठी व्यवस्था की गई है। राज्य के प्रमुख शहरी और ग्रामीण केंद्रों पर अत्याधुनिक हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहनों की तैनाती की गई है।

समृद्धि के 3 सूत्र

- **आहार राशि में 100% वृद्धि:** प्रति गाय दैनिक भत्ता ₹20 से बढ़कर ₹40 होने से अब गौशालाओं में पशुओं को अधिक पौष्टिक और पर्याप्त मात्रा में चारा-भूसा मिल सकेगा।
- **सुरक्षित परिवहन:** अत्याधुनिक हाइड्रोलिक वाहनों की तैनाती से सड़क पर घायल होने वाली असहाय गायों को बिना अतिरिक्त पीड़ा के तुरंत इलाज मिलना संभव हुआ है।
- **आत्मनिर्भरता का नया मॉडल:** स्वावलंबी नीति के तहत जैविक खाद और गोमूत्र अर्क के व्यावसायिक विपणन से गोशालाओं की दैनिक आय में सुधार होगा।

D-11085/26

दान घटा, कोष बढ़ा

पीएम केयर्स फंड की वित्त वर्ष 2024-25 की आडिट रिपोर्ट ने एक दिलचस्प विरोधाभास सामने रखा है। घरेलू दान करीब 30 प्रतिशत घटकर 479 करोड़ रुपये रह गया और विदेशी योगदान भी 18 प्रतिशत कम होकर 92.8 लाख रुपये पर पहुंच गया। इसके बावजूद फंड में जमा कुल राशि 2024 के 7,173 करोड़ से बढ़कर 2025 में 8,452 करोड़ रुपये हो गई। जाहिर है, दान घटने के बावजूद कोष का बढ़ना केवल नए योगदान से नहीं, बल्कि पहले से जमा धन और उस पर मिले वित्तीय रिटर्न जैसे कारणों से भी जुड़ा है। लेकिन यही आंकड़े कुछ जरूरी सवाल भी खड़े करते हैं। पीएम केयर्स फंड की स्थापना 2020 में कोरोना महामारी के दौरान आपातकालीन संसाधन जुटाने के उद्देश्य से हुई थी। उस दौर में ऑक्सीजन संयंत्रों और वेंटिलेटरों पर बड़ी रकम खर्च की गई। बाद में इसका दायरा प्राकृतिक आपदाओं, स्वास्थ्य संकट और अन्य गंभीर परिस्थितियों तक बढ़ा। यानी यह केवल महामारी की याद नहीं, बल्कि संकट प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण वित्तीय माध्यम बन चुका है। विदेशी योगदान में आई गिरावट भी अपने आप में असामान्य नहीं है। महामारी के चरम समय में विदेशी सहायता काफी अधिक थी, लेकिन संकट की तीव्रता कम होने के साथ उसका कम होना स्वाभाविक माना जा सकता है। असली प्रश्न यह नहीं कि दान घटा क्यों, बल्कि यह है कि उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल किस तरह और कितनी प्रभावशीलता से किया जा रहा है। यहीं पारदर्शिता का मुद्दा महत्वपूर्ण हो जाता है। पीएम केयर्स फंड को सरकार एक चैरिटेबल ट्रस्ट मानती है, जबकि इसकी सार्वजनिक भूमिका और विशाल वित्तीय आकार इसे सामान्य जनहित की कसौटी पर खड़ा करते हैं। आपदा के समय जनता ने जिस भरोसे से इस कोष में धन दिया, उस भरोसे का मूल्य केवल बढ़ती शेष राशि में नहीं मापा जा सकता। असली कसौटी यह है कि संकट के समय धन कितनी तेजी से जरूरतमंदों तक पहुंचा, उसका कितना प्रभाव पड़ा और उसके इस्तेमाल की जानकारी कितनी सहजता से सार्वजनिक हुई। इसलिए घटते दान और बढ़ते कोष का विरोधाभास अपने आप में कोई दोष नहीं, लेकिन यह पारदर्शिता की मांग को और मजबूत जरूर करता है।

अक्षय ऊर्जा दिवस पर विशेष

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह पर तेजी से बढ़ता भारत, भविष्य की नई तस्वीर

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

पूरी दुनिया में ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं के बाद अब आस्था के मुद्दे पर सियासी घमासान

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुद्दों का रंग बदलता दिखाई देने लगा है। लंबे समय से पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार को घेर रहा विपक्ष अब राम मंदिर से जुड़े सवालों को भी राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की ओर से राम मंदिर के चढ़ावे, प्रबंधन और कथित अनियमितताओं को लेकर उठाए जा रहे सवालों ने प्रदेश की सियासत को नई दिशा दे दी है।

विपक्ष की इस रणनीति को केवल एक नए राजनीतिक मुद्दे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी और भाजपा के सबसे मजबूत राजनीतिक आधार को चुनौती देने की कोशिश भी दिखाई देती है। विपक्ष को यह एहसास है कि पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं का मुद्दा बेहद महत्वपूर्ण होने के बावजूद उसका सीधा प्रभाव मुख्य रूप से विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और नौकरी की तलाश में जुटे वर्ग पर पड़ता है। इसके विपरीत राम मंदिर से जुड़ा कोई भी सवाल प्रदेश के व्यापक सामाजिक और राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने लगातार सरकार पर निशाना साधा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भी विपक्षी दलों ने सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की। छात्रों और अभ्यर्थियों से जुड़े आंदोलनों को विपक्ष ने राजनीतिक मुद्दा बनाया और सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़े किए।

इन मुद्दों ने सरकार को घेरने का अवसर जरूर दिया, लेकिन विपक्ष के सामने यह चुनौती बनी रही कि युवाओं से जुड़े इन सवालों को व्यापक चुनावी मुद्दे में कैसे बदला जाए। चुनावी राजनीति में ऐसा मुद्दा अधिक प्रभावी माना जाता है जो समाज के अलग-अलग वर्गों को एक साथ प्रभावित करे। राम मंदिर इसी लिहाज से विपक्ष के लिए बड़ा राजनीतिक क्षेत्र बन सकता है।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भाजपा की राजनीति और वैचारिक यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। मंदिर निर्माण को भाजपा अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में जनता के सामने रखती रही है। ऐसे में उसी मंदिर से जुड़े प्रबंधन, चढ़ावे और पारदर्शिता के सवाल उठाकर विपक्ष सीधे भाजपा के मजबूत राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए राम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक आंदोलन और वैचारिक पहचान का भी हिस्सा रहा है। यही कारण है कि विपक्ष का राम मंदिर से जुड़े सवालों को उठाना अपने आप में महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है।

विपक्ष के लिए यह रास्ता आसान नहीं है। राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा को घेरते समय थोड़ी सी भी राजनीतिक चूक उसके लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। भाजपा इस तरह के प्रयासों को धार्मिक आस्था के खिलाफ बताकर विपक्ष पर पलटवार कर सकती है। यही कारण है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सीधे मंदिर निर्माण पर सवाल उठाने के बजाय मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओं, चढ़ावे की पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दों को सामने रख रही हैं। विपक्ष का तर्क है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए। उसका कहना है कि भगवान राम की आस्था किसी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं है और मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सवाल उठाना आस्था का विरोध नहीं, बल्कि जवाबदेही की मांग है। विपक्ष की रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि वह राम मंदिर निर्माण को सीधे निशाना बनाने से बच रहा है। इसके बजाय मंदिर में आने वाले चढ़ावे, उसके प्रबंधन और कथित अनियमितताओं को मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है।

यह रणनीति विपक्ष को एक राजनीतिक सुरक्षा कवच भी देती है। यदि वह सीधे मंदिर या भगवान राम की आस्था पर सवाल उठाता है तो भाजपा के लिए उसे राम विरोधी बताना आसान हो सकता है। लेकिन यदि बहस चढ़ावे की पारदर्शिता, व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर केंद्रित रहती है तो विपक्ष इसे शासन और सार्वजनिक उत्तरदायित्व का मुद्दा बता सकता है।

यही वह राजनीतिक रास्ता है जिसे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी तलाशती दिखाई दे रही हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि भाजपा ने राम मंदिर और दूसरे धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक पूंजी के रूप में इस्तेमाल किया है। उनका सवाल है कि जो लोग भगवान राम की भक्ति को अपनी राजनीति का प्रमुख आधार बताते हैं, उन्हें मंदिर से जुड़े आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में भी पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में अभी समय है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। चुनाव में केवल सरकार की उपलब्धियां या विपक्ष के आरोप ही निर्णायक नहीं होंगे, बल्कि जनता के बीच कौन सा राजनीतिक नैरेटिव मजबूत होता है, यह भी महत्वपूर्ण होगा।

विपक्ष के लिए यह रणनीति अवसर भी है और चुनौती भी। अगर वह मंदिर की आस्था का सम्मान करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही के सवालों को मजबूती से उठा पाया तो भाजपा के सबसे मजबूत राजनीतिक मुद्दे पर नई बहस खड़ी कर सकता है। लेकिन यदि यह रणनीति धार्मिक भावनाओं से सीधे टकराती दिखाई दी तो उसका राजनीतिक नुकसान भी हो सकता है। उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में आने वाले महीनों में यही मुकाबला महत्वपूर्ण रहेगा। एक ओर भाजपा राम मंदिर को अपनी उपलब्धि और आस्था के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करेगी, वहीं विपक्ष मंदिर से जुड़े प्रबंधन और पारदर्शिता के सवालों के जरिए नया नैरेटिव गढ़ने की कोशिश करेगा। पेपर लीक से शुरू हुई विपक्ष की सरकार विरोधी राजनीति अब राम मंदिर की चौखट तक पहुंच गई है। 2027 के चुनाव में यह राजनीतिक बैटिंग कितनी सफल होगी, इसका फैसला अंततः जनता ही करेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

हॉर्मोन की वजह से बनता है ओवरी सिस्ट, सर्जरी के बिना हो सकता है ठीक

महिलाओं को ओवरी सिस्ट की परेशानी एक आम समस्या बनकर उभर रही है। सामान्यतः ओवरी सिस्ट के शुरुआती चरण में महिलाओं को किसी तरह के लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। हालांकि डॉक्टर के रूटीन हेल्थ चेक-अप के दौरान या पेल्विक में दर्द, अनियमित पीरियड्स जैसे लक्षणों की जांच करते समय इनका पता चलता है। डॉ हृषिकेश पई कंसल्टेंट गाइनाक्लॉजिस्ट एंड आईवीएफ स्पेशिलिस्ट के अनुसार ऐसे में महिलाओं को समझाया जाता है कि हर तरह के सिस्ट के लिए सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है। ओवेरियन सिस्ट के

प्रकार और आकार के आधार पर इलाज किया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट एक तरल पदार्थ से भरी थैली होती है जो ओवरी (अंडाशय) के ऊपर या अंदर बनती है। ओवरीज महत्वपूर्ण प्रजनन अंग हैं जो अंडे और हार्मोन, जैसे एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन बनाते हैं। ज्यादातर ओवेरियन सिस्ट सौम्य (कैंसर-रहित) होते हैं और बिना किसी गंभीर समस्या के अपने आप ठीक हो सकते हैं। कभी-कभार यह सिस्ट बड़े हो जाते हैं, जो असुविधाजनक या प्रजनन और हार्मोन से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

डॉ हृषिकेश पई का कहना है कि इसका सबसे आम कारण 'फंक्शनल सिस्ट' हैं, जो मासिक धर्म चक्र से जुड़े होते हैं। मासिक धर्म चक्र में ओव्यूलेशन वह प्रक्रिया है जब ओवरीज में विकसित होने वाले फॉलिकल्स से अंडे निकलते हैं। कभी-कभी ये फॉलिकल्स ठीक से खुलते नहीं हैं, या अंडा निकलने के बाद वे सिकुड़ जाते हैं, जिससे सिस्ट बन जाते हैं। इसके अन्य महत्वपूर्ण कारन में हार्मोनल असंतुलन भी है। जैसे-जैसे सिस्ट बढ़ते हैं, या जटिल हो जाते हैं, महिलाओं में कई तरह के लक्षण महसूस हो सकते हैं। जैसे पेल्विस या पेट के निचले हिस्से में दर्द होना, पेट में सूजन या भारीपन, पीरियड्स का समय पर न आना, संभोग के दौरान दर्द, बार-बार पेशाब आना, कुछ मामलों में गर्भधारण में कठिनाई आदि। डॉक्टर कहते हैं, 'अगर किसी महिला को बताया जाता है कि उसे ओवेरियन सिस्ट है, तो उसे घबराना नहीं चाहिए। साधारण सिस्ट अक्सर सावधानीपूर्वक निगरानी और डॉक्टरी सलाह से ही ठीक हो जाते हैं।' विशेषज्ञ महिलाओं को चेतावनी देते हैं कि वे पेट के निचले हिस्से में लगातार होने वाले दर्द, मासिक धर्म में अनियमितता या पेट में बिना किसी वजह के आने वाली सूजन को नजरअंदाज न करें। समय पर अल्ट्रासाउंड करवाना और स्त्री रोग विशेषज्ञ से नियमित जांच करवाना, ओवरी के सिस्ट का समय पर पता लगाने और जटिलताओं से बचने में मदद करता है।

निशाना

सत्य मरता ही नहीं है

रामकिशोर नाविक

पेट जो है दुखेगा ही
आप बीती कहेगा ही
अकेले में बैठ रो ले
दर्द है तो बहेगा ही
देश सेवा के दिखाबे
करेगा जो भरेगा ही
चुप्पियाँ भी बोलती हैं
कर्म खोटे डरेगा ही
बता माटी के खिलौने
ता-क़यामत रहेगा ही
सत्य मरता ही नहीं है
झूठ क्षर है मरेगा ही
खूब ऊँची उड़ानें भर
ज़मीं पे सर धरेगा ही।

टेक्नो अपडेट

एआई की रफ्तार पर ब्रेक, सुरक्षा की चुनौती के चलते ओपन एआई ने रोकी ट्रेनिंग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ने की होड़ के बीच अब सुरक्षा को लेकर बड़ी चिंता सामने आई है। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने अपने सबसे शक्तिशाली एआई मॉडल के विकास और परीक्षण की रफ्तार धीमी करने का फैसला किया है। कंपनी ने कुछ मॉडल परीक्षणों को रोककर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर ध्यान देने की बात कही है।

इस बदलाव की वजह एआई सुरक्षा से जुड़ी एक गंभीर घटना बताई जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक ओपनएआई के एक प्रयोगात्मक एआई एजेंट ने साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी एआई कंपनी के सिस्टम में सेंध लगाने की क्षमता दिखाई। इसके बाद कंपनी ने अपने परीक्षणों की सुरक्षा व्यवस्था की दोबारा समीक्षा शुरू की। कुछ प्रमुख प्रशिक्षण गतिविधियों को फिलहाल रोक दिया गया है।

ओपनएआई अब एआई सिस्टम की निगरानी के लिए दूसरे एआई सिस्टम का इस्तेमाल बढ़ाने की तैयारी में है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि शक्तिशाली मॉडल परीक्षण के दौरान किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं और कहीं वे तय सुरक्षा सीमाओं को तो नहीं लांघ रहे। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आधुनिक एआई मॉडल केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं हैं। वे कोड लिख सकते हैं, इंटरनेट पर जानकारी तलाश सकते हैं और कई चरणों वाले काम अपने आप पूरा कर सकते हैं। यही क्षमता उन्हें उपयोगी बनाने के साथ-साथ जोखिम भी बढ़ाती है। यदि किसी एआई एजेंट को पर्याप्त अधिकार मिल जाएं और उसकी गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी न हो तो वह ऐसे काम कर सकता है जिनकी उसके डेवलपर ने कल्पना भी न की हो। ओपनएआई का मौजूदा कदम इसी चिंता को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अब तक एआई कंपनियों के बीच ज्यादा तेज और ज्यादा सक्षम मॉडल बनाने की प्रतिस्पर्धा रही है। लेकिन हालिया घटनाएं यह सवाल खड़ा कर रही हैं कि क्या हर नई एआई क्षमता को तुरंत बाजार तक पहुंचाना जरूरी है? सुरक्षा विशेषज्ञों के बीच यह चर्चा बढ़ रही है कि एआई मॉडल जितने शक्तिशाली होते जाएंगे, उनकी जांच और निगरानी भी उतनी ही कठोर होनी चाहिए।

इसी बीच साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल खुद हमलों से बचाव के लिए भी बढ़ रहा है। एक नई एआई-सहायता वाली तकनीक का इस्तेमाल सैटेलाइट संचार प्रणालियों की कमजोरियां खोजने और उन्हें सुरक्षित करने के लिए किया जा रहा है।

अजब - गजब

22 जोड़ी मोजों में 200 छिपकलियां, हवाई अड्डे पर खुला अजब तस्करी का राज

जापान में हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों को एक ऐसा सामान मिला, जिसे देखकर वे भी हैरान रह गए। एक 23 वर्षीय युवक के सूटकेस में कपड़ों के साथ करीब 200 जिंदा छिपकलियां छिपी थीं। सबसे हैरानी की बात यह थी कि इन छिपकलियों को 22 जोड़ी मोजों के अंदर ठूंसकर रखा गया था। अधिकारियों ने युवक को गिरफ्तार कर लिया।

मामला 8 अगस्त का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मैक्सिको का रहने वाला डेनियल इसाक वेलास्को बाल्ताजार दक्षिण कोरिया से जापान पहुंचा था। हवाई अड्डे पर उसकी गतिविधियों और सामान पर संदेह होने के बाद कस्टम अधिकारियों ने सूटकेस की तलाशी ली। जैसे-जैसे सामान बाहर निकाला गया, अधिकारियों को कपड़ों के बीच रखे मोजों में हलचल दिखाई दी। जांच करने पर पता चला कि मोजों के भीतर एक-दो नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में छिपकलियां भरी हुई थीं। अधिकारियों ने पूरा सामान खंगाला तो करीब 200 छिपकलियां बरामद हुईं। इन्हें मोजों के अलावा टी-शर्ट में भी लपेटकर रखा गया था। यात्रा के दौरान एक छिपकली की मौत हो चुकी थी। बाकी जीवों की प्रजातियों की पहचान की जा रही है। शुरुआती जांच में इनमें से नौ मैक्सिकन एलिगेटर लिजर्ड पाई गईं। यह दुर्लभ प्रजाति मैक्सिको के ऊंचाई वाले जंगलों में पाई जाती है और अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव व्यापार पर निगरानी रखने वाली CITES व्यवस्था के तहत संरक्षित है।

तस्करी का तरीका जितना अजीब था, उसके पीछे का मकसद उतना ही कारोबारी बताया जा रहा है। जांच में सामने आया कि युवक ने छिपकलियों को मैक्सिको में कम कीमत पर खरीदा था। जापान में दुर्लभ प्रजातियों की कीमत काफी ज्यादा हो सकती है। कुछ छिपकलियां करीब 1 लाख येन तक में बिकने की संभावना थी। यानी सस्ते में खरीदे गए इन जीवों को जापान में बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की कोशिश की जा रही थी।

पुलिस को जुलाई के अंत में सूचना मिली थी कि एक मैक्सिकन नागरिक जापान में छिपकलियों की तस्करी करने की कोशिश कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन्हें एक सरीसृप प्रदर्शनी और बिक्री से जुड़े आयोजन के लिए ले जाने की योजना थी। इसी सूचना के आधार पर हवाई अड्डे पर निगरानी बढ़ाई गई और युवक के पहुंचते ही उसके सामान की जांच की गई। पूछताछ में युवक ने बिना जरूरी अनुमति के छिपकलियों को जापान लाने की बात स्वीकार की है। जापानी अधिकारियों ने मामले को दुर्लभ वन्यजीवों की अवैध तस्करी से जोड़कर जांच शुरू की है।

आयकर विभाग की कार्रवाई: धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार खनिज एवं इस्पात कारोबारीके कोतमा कनेक्शन को लेकर टीम कोतमा पहुंची

महेंद्र गोयनका से जुड़े मामले में भाई मनीष के कर्मचारियों से घंटों पूछताछ

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार खनिज एवं इस्पात कारोबारी महेंद्र गोयनका के कोतमा कनेक्शन को लेकर आयकर विभाग की टीम बीते दिन सुबह कोतमा पहुंची। टीम ने महेंद्र गोयनका के छोटे भाई मनीष गोयनका के कोतमा स्थित घर और दुकानों पर काम करने वाले चार कर्मचारियों को उनके घरों से पूछताछ के लिए अपने साथ लिया। चारों को जनपद पंचायत कार्यालय परिसर स्थित बीआरसी भवन लाकर आयकर अधिकारियों द्वारा घंटों पूछताछ की जा रही है।

आयकर विभाग की टीम सुबह करीब 6 बजे कोतमा थाना पहुंची और पुलिस बल के सहयोग से कोतमा, गोहान्ड्रा और पैरीचुआ में अलग-अलग स्थानों पर पहुंची। टीम ने रोहित सोनी निवासी कोतमा, बृजेंद्र मिश्रा निवासी पैरीचुआ तथा संगत पांव और कोमल पांव निवासी गोहान्ड्रा को उनके घरों से पूछताछ के लिए साथ लिया। चारों युवक मनीष गोयनका के कोतमा स्थित घर और दुकानों में कार्य करते हैं। उन्हें बीआरसी

भवन लाए जाने के बाद आयकर अधिकारियों द्वारा उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पूछताछ की वीडियो रिकॉर्डिंग किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। आयकर विभाग की कार्रवाई किन संपत्तियों, दस्तावेजों या लेन-देन से संबंधित है, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। वहीं चारों कर्मचारियों के परिजन दिनभर जनपद कार्यालय परिसर के बाहर मौजूद रहे और पूछताछ के बाद युवकों को छोड़े जाने का इंतजार करते रहे।

आठ सदस्यीय टीम कर रही है जांच

मामले की जांच के लिए आयकर विभाग की 8 सदस्यीय टीम दो गाड़ियों में सुबह कोतमा नगर पहुंची। जहां सबसे पहले टीम कोतमा थाने पहुंची और स्थानीय पुलिस को साथ में लेकर के खनिज कारोबारी महेंद्र गोयनका के छोटे भाई मनीष गोयनका के घर और दुकान तथा क्रेशर पर काम करने वाले चार कर्मचारियों के गांव में पहुंचकर उन्हें साथ में लेकर पूछताछ के लिए कोतमा जनपद कार्यालय परिसर में स्थित बीआरसी भवन में लाया गया। दिनभर पूछताछ के बाद एक कर्मचारी को छोड़ दिया, वहीं तीन से पूछताछ अभी तक जारी है। बताया गया कि बृजेंद्र मिश्रा को पूछताछ के बाद शाम को छोड़ दिया गया वहीं तीन कर्मचारियों से शाम 7 बजे तक पूछताछ जारी रही। टीम की ओर से अभी तक कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है।

न्यूज विंडो

कांवड़ यात्रा में स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर रहेगा विशेष जोर

नर्मदापुरम। नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर बुधवार को नगरपालिका कार्यालय में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 22 अगस्त शनिवार को निकलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। बैठक में भाजपा नेता हंस राय, महेंद्र यादव, नगर मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे सहित समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान समाजसेवियों ने यात्रा को लेकर अपने सुझाव रखे और नगर में स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर विचार-विमर्श किया। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने श्रद्धालुओं से नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा आध्यात्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी देगी। उन्होंने कहा कि यात्रा को सफल बनाने में श्रद्धालुओं और नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी आवश्यक है।

फोटोग्राफी दिवस पर नशामुक्ति रैली निकाल फोटोग्राफरों का किया सम्मान

गंजबासौदा। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर गंजबासौदा फोटोग्राफर एसोसिएशन द्वारा पुराना मेला ग्राउंड स्थित मानस भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पहले रेलवे स्टेशन से मानस भवन तक नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। हाथों में नशामुक्ति का संदेश देती तख्तियां लेकर फोटोग्राफरों ने लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शहर के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ गंजबासौदा एवं आसपास के वरिष्ठ और अनुभवी फोटोग्राफरों का भी सम्मान किया गया। एसोसिएशन के गठन के बाद यह पहला आयोजन था। कार्यक्रम के बाद सदस्यों को आई-कार्ड वितरित किए गए। मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश जादौन ने कहा कि एक तस्वीर पूरे आयोजन की कहानी बयां कर देती है। उन्होंने फोटोग्राफरों की मेहनत की सराहना करते हुए वरिष्ठ फोटोग्राफरों के सम्मान को आवश्यक बताया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष शशि यादव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंशलेखा भावसार, व्यापार महासंघ अध्यक्ष विपिन तिवारी, एसोसिएशन अध्यक्ष हेमंत कुशवाह, उपाध्यक्ष शौर्य जैन, सचिव चंद्र प्रकाश कुशवाहा, सहसचिव विवेक कुशवाहा, कोषाध्यक्ष मिलन श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी व फोटोग्राफर मौजूद रहे।

इछावर में दर्दनाक हादसा: हादसे और संभावित लापरवाही की जांच शुरू

पानी से भरे गड्ढे में डूबे तीन बच्चे तीनों की मौत; इसमें दो सगे भाई थे

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले के इछावर में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। मोगरा रोड पर बारिश के पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई भी शामिल हैं। तीनों बच्चे वार्ड नंबर 12 के निवासी थे। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस के अनुसार तीनों बच्चे खेलते-खेलते मोगरा रोड पर बने पानी से भरे गड्ढे के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वे नहाने के लिए गड्ढे में उतर गए। पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण तीनों बच्चे उसमें डूब गए। काफी देर तक बच्चों के दिखाई नहीं देने पर परिजन उनकी तलाश में जुटे।

बच्चों की तलाश करते हुए परिजनों की नजर पानी से भरे गड्ढे पर गई। इसी दौरान पानी में बच्चों के शव तैरते दिखाई दिए। यह दृश्य सामने आते ही मौके पर मातम पसर गया। परिजनों ने बच्चों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। मृतकों की पहचान 12 वर्षीय प्रशांत पिता सुभाल, 10 वर्षीय पृथ्वीराज पिता सुभाल और 11 वर्षीय दीक्षांत पिता अखलेश के रूप में हुई है। प्रशांत और पृथ्वीराज सगे भाई थे। तीनों बच्चे इछावर के वार्ड नंबर 12 के

रहने वाले थे। दो सगे भाइयों की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इछावर थाना प्रभारी रामबाबू राठौर ने बताया कि पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों ने घटना की जानकारी जुटाते हुए हादसे की परिस्थितियों का जायजा लिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे ने बताया कि हादसे में इछावर के वार्ड नंबर 12 के तीन बच्चों की मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। उन्होंने कहा कि गड्ढे के निर्माण, उसकी वर्तमान स्थिति और संभावित लापरवाही सहित हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की वैधानिक जांच की जा रही है।

जिम्मेदारों की भूमिका की भी होगी पड़ताल

हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि मोगरा रोड पर बने इस पानी से भरे गड्ढे की सुरक्षा को लेकर क्या इंतजाम किए गए थे। क्या गड्ढे के आसपास चेतावनी संकेत, बैरिकेडिंग या सुरक्षा व्यवस्था थी? पुलिस अब इन सभी बिंदुओं की जांच कर रही है। जांच के बाद यदि किसी की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी तय होने की संभावना है।

मासूमों की मौत से इलाके में पसरा मातम

तीन बच्चों की एक साथ मौत की खबर से इछावर के वार्ड नंबर 12 में शोक की लहर है। परिजन बच्चों के शवों से लिपटकर बिलखते रहे। कुछ ही देर पहले खेलते और हंसते नजर आ रहे मासूमों की मौत ने हर किसी को झकझोर दिया। बारिश के पानी से भरे खुले गड्ढे अब बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच में जुटी है।

सकरौली-जोगी किरोंदा हाईवे क्रॉसिंग पर हादसे कर खतरा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय राजमार्ग 346 के निर्माण के बीच सकरौली जोगी किरोंदा क्रॉसिंग पर अंडरपास नहीं बनाए जाने को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान से 25 से अधिक गांवों के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं, वहां अंडरपास के स्थान पर सीधी क्रॉसिंग बनाया जाना भविष्य में गंभीर हादसों का कारण बन सकता है। इसी मांग को लेकर बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण शिवसेना पदाधिकारियों के साथ तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार अतुल श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि गंजबासौदा क्षेत्र का प्रमुख आर्थिक, शैक्षणिक और चिकित्सा केंद्र है। आसपास के जोगी किरोंदा, जाठौदा, फूफेर, निचरोन, पैरवासा सहित अनेक गांवों के लोग रोजाना गंजबासौदा आते-जाते हैं। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा और कोचिंग के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। इसके अलावा किसान, मजदूर, पशुपालक और अन्य ग्रामीण कृषि कार्यों, बाजार एवं दैनिक जरूरतों के साथ रेल यातायात के लिए भी इस मार्ग से आवागमन करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार पैदल यात्रियों, दोपहिया-चारपहिया वाहनों और मवेशियों की लगातार आवाजाही के बीच तेज रफ्तार राष्ट्रीय राजमार्ग पर सीधी क्रॉसिंग बनना दुर्घटना की आशंका को बढ़ा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि सकरौली, जोगी किरोंदा, पायरी, जाठौदा, मोहनियाखेड़ी, बोथीजागीर, लालकुआं, नेवली, फूफेर, बलरामपुर, निचरोन, बमूरिया, इकोदिया, महोली, अमोदा, जामनपुर, पैरवासा, रायखेड़ी, सकराई, लखाखेड़ी, ऐंचदा और रजोदा सहित 25 से अधिक गांवों के लोग इस मार्ग का उपयोग करते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि इन गांवों के हजारों लोगों की आवाजाही को देखते हुए यहां सुरक्षित क्रॉसिंग की व्यवस्था होना जरूरी है। अंडरपास बनने से स्थानीय लोगों को हाईवे के तेज यातायात के बीच सड़क पार करने की आवश्यकता नहीं होगी और दुर्घटनाओं का खतरा भी कम किया जा सकेगा।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

(दूरभाष नं. 0755-2677317, 2443260) Email id: Pskohefizabpl@gmail.com)

क्रमांक-थाप/कोहे/भो/डी/29/2026 दिनांक 16.08.26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोहेफिजा के गर्ग क्रमांक 29/2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस. में अज्ञात मृतक पुरुष उम्र 50-60 साल निवासी अज्ञात रंग सांवला, जो सफेद कलर की गलो की टी-शर्ट पहने है टी-शर्ट के दोनों हाथ की बाहे हरे रंग की है तथा ग्रे कलर का पेन्ट पहने है जो पैर में कुछ नहीं पहने है जिसकी सफेद दाड़ी है।

अतः उक्त अज्ञात मृतक पुरुष उम्र 50-60 साल निवासी अज्ञात के सबंध में कोई जानकारी मिलती है तो कृपया कर थाना प्रभारी कोहेफिजा भोपाल के मोबाईल नंबर 9479990583 या जाँचकर्ता के मोबाईल नंबर 7049106226 पर या आफिस के नंबर 9479990687 तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी, थाना कोहेफिजा, भोपाल म.प्र.

जी-17329/26 0755-267731

मेट्रो एंकर एसडीएम ने किया पुरानी नपा भवन और नवीन सीसी रोड का निरीक्षण

जर्जर नगर पालिका भवन को तत्काल तोड़ने के निर्देश कहा- पाराशरी किनारे, जल्द सुरक्षा जाली लगाएं

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर में चल रहे विकास कार्यों और नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने एसडीएम अनुभा जैन ने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुरानी नगर पालिका भवन की जर्जर स्थिति को गंभीरता से लेते हुए इसे तत्काल तोड़ने के निर्देश दिए। वहीं वार्ड नंबर 9 में नवीन सीसी सड़क का निरीक्षण कर पाराशरी नदी के किनारे सुरक्षा जाली लगाने के निर्देश भी दिए।

एसडीएम अनुभा जैन सबसे पहले पुरानी नगर पालिका भवन पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान भवन काफी जर्जर अवस्था में पाया गया। भवन की स्थिति को देखते हुए किसी भी समय दुर्घटना की आशंका को देखते हुए एसडीएम ने नगर पालिका सीएमओ अशोक वर्मा को भवन को तत्काल तोड़ने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए इसके बाद एसडीएम ने वार्ड नंबर 9 स्थित पाराशरी पलोड़ पेट्रोल पंप से त्योंदा रोड को जोड़ने वाली नवीन सीसी सड़क का निरीक्षण किया। यह सड़क शहर में जाम की समस्या को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से बनाई गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क की स्थिति और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसडीएम ने पाराशरी नदी के किनारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक स्थानों पर सुरक्षा जाली लगाने के निर्देश नगर पालिका को दिए।उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, नगर पालिका सीएमओ अशोक वर्मा, नपा इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सरदार अहिरवार, संजय भावसार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। एसडीएम अनुभा जैन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में चल रहे विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। साथ ही नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक इंतजाम प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किए जाएं।

कार्यालय सेनानी, 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल

दूरभाष/फैक्स नं.-0755-2443748

Email: - co25bn_saf@mppolice.gov.in

क्र-25वीं वाहिनी/विसबल/सा.अ./ 3255/2026, दिनाँक 18/08/2026

-: खुली निविदा विज्ञप्ति :-

इकाई की एसटीएफ कम्पनी के जवानो हेतु कैमोफ्लाईज वर्दी एवं अन्य सामग्रियों के क्रय हेतु खुली निविदा म.प्र. टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती हैं। खुली निविदा विज्ञप्ति का ऑनलाईन प्रकाशन कार्यालय द्वारा जारी दिनांक से दिनांक तक मान्य होगी, खुली निविदा विज्ञप्ति का प्रारूप निम्नानुसार मानसार है।

स. क्र.	सामग्री का नाम	सामग्री	धरोहर राशि की तादात	निविदा दर	प्रदाय कार्यालय (एफ.ओ.आर.)
01	कैमोफ्लाईज वर्दी कपड़ा 160 वर्दी हेतु	576 मीटर	18000.00	2000.00	सेनानी, 25वीं वाहिनी विसबल भोपाल
02	कैमोफ्लाईज वर्दी सिलाई	160 वर्दी			
03	जंगल बूट/हंटर बूट	90 जोड़			
04	पी.टी. शू ब्राउन	50 जोड़			
05	पी.टी. शू सफेद	10 जोड़			
06	एस.टी.एफ. बैज	100 जोड़			
07	ब्लेक पेंथर मोनो	160 नग			
08	मंकी कैप	80 नग			

01. खुली निविदा प्रपत्र दस्तावेजों को म.प्र. टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in पर अनिवार्य रूप से ऑनलाईन अपलोड करना होगा।
02. खुली निविदा प्रपत्र दस्तावेजों की सत्यापित प्रति-01 एवं सरल क्र.-01 से सरल क्र.-08 तक अंकित सामग्री के नमूने (मीटर/नग/जोड़ के मान से) व्यक्तिगत रूप से अद्योहस्ताक्षर कार्यालय में निर्धारित समय-सीमा में जमा किया जावें। निर्धारित समयावधि उपरान्त निविदा प्रपत्र दस्तावेज एवं सामग्री के नमूने स्वीकार नही की जाऐगें।
03. खुली निविदा म.प्र. टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन खोली जायेगी।
04. मध्यप्रदेश पुलिस की ऑनलाईन वेबसाइट https://www.mppolice.gov.in/en/tenders पर खुली निविदा की प्रपत्र, विस्तृत जानकारी डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेगी।
05. समय सारणी :-

01	निविदा प्रकाशन दिनाँक	दिनांक 19/08/26 समय 10:00 बजे।
02	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने का दिनाँक	दिनाँक 19/08/26. समय 10:00 बजे।
03	निविदा जमा करने का प्रारंभ दिनांक	दिनाँक 19/08/26 समय 10:00 बजे।
04	निविदा जमा करने का अंतिम दिनांक	दिनाँक 02/09/26 समय 16:00.. बजे।
05	निविदा तकनीकि बिड खोलने का दिनांक	दिनाँकक 03/09/26 समय 16:30 बजे।

06. निविदाकर्तागण से अनुरोध है कि निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि पत्र आदि बेबसाईट पर ही अपलोड किये जायेंगे अतः वेबसाईट पर अद्यतन रहें।
07. निविदा में दर्शायें दिनांक/समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकर्ताओं एवं वित्तीय निविदा की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

(नगेन्द्र सिंह)
सेनानी
25वीं वाहिनी वि.स.बल, भोपाल

जी-17353/26

" बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल "

न्यूज विंडो

गाडरवारा विधानसभा को 10 करोड़ की छह सड़कों की सौगात

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले की गाडरवारा विधानसभा निरंतर विकास के नए आयामों को तय कर रही है। क्षेत्र के विकासशील विधायक एवं मध्यप्रदेश के संवेदनशील परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रतिनिधित्व में गाडरवारा विधानसभा में चहुमुखी विकास की बयार बह रही है। विधानसभा क्षेत्र के ढांचागत विकास में कोई कोर कसर नहीं रखी जा रही है और विकास कार्यों के निर्माण निरंतर जारी हैं। गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के विकास के क्रम में विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा लगभग 10 करोड़ की लागत की छह महत्वपूर्ण सड़कें स्वीकृत की गई हैं। जिसके अंतर्गत बाबई चीचली ब्लाक में बैरागढ़ से राजीव नगर तक 0.90 किमी सड़क, साईंखेड़ा ब्लॉक के अंतर्गत सिरसिरी से हरिजन टोला तक 0.62 किमी सड़क, ढिगसरा से इंदिरा आवास टोला तक 1.40 किमी सड़क, अजंदा रोड से मुआर टोला तक 3.40 किमी सड़क, बरहटा से कहार टोला 1.45 किमी सड़क, तूंमड़ा से काछी टोला तक 1.45 किमी सड़क स्वीकृत की गई है, जिनकी लागत लगभग 10 करोड़ है। गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र को इन महत्वपूर्ण सड़कों की सौगात के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सहित परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति क्षेत्रीयजनों ने आभार व्यक्त किया है।

बुजुर्ग दंपती से लूट और मारपीट मामले में आरोपी गिरफ्तार

धार। थाना धरमपुरी क्षेत्र के अंतर्गत कालीबावड़ी में बुजुर्ग दंपती के साथ हुई सनसनीखेज लूट और मारपीट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। बीती 27 जून की रात करीब 1 बजे, 85 वर्षीय बुजुर्ग नेमीचंद राठौर पिता प्रेमचंद निवासी कालीबावड़ी)अपने घर में पत्नी पार्वती के साथ सो रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात बदमाश घर में घुसे और लाठियों से मारपीट कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बदमाश बुजुर्ग की पत्नी के गले से दो सोने के मंगलसूत्र छीनकर मौके से फरार हो गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना धरमपुरी में अपराध दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और एसडीओपी मनावर ब्रजेश कुमार मालवीय के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी धरमपुरी सरदारसिंह सोलंकी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदेही संजय पिता कालु भाभर निवासी कालीबावड़ी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी संजय की जेल में सुरेश निवासी गंधवानी से पहचान हुई थी। संजय ने ही अपने ही पड़ोस में रहने वाले नेमीचंद राठौर के घर में कीमती सामान और गिरवी माल होने की टोह सुरेश को दी थी। इसके बाद 26 जून को सुरेश अपने दो अन्य साथियों के साथ मोटरसाइकिल से कालीबावड़ी पहुंचा और इस वारदात को अंजाम दिया।

रतलाम में बिजली तार चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

रतलाम. पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त वाहन तथा करीब 10 लाख रुपए कीमत का माल बरामद है। पुलिस के अनुसार 17 अगस्त की रात करीब 11.45 बजे ग्राम खेड़ी बजरंगगढ़ क्षेत्र में 4-5 लोग पिकअप वाहन से पहुंचे और बिजली के खंभे पर चढ़कर कंडक्टर (तार) काटकर चोरी करने लगे। ग्रामीणों की सतर्कता से घटना की जानकारी पुलिस तक पहुंची। सूचना मिलते ही रावटी पुलिस मौके पर पहुंची और एक संदिग्ध को पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी कंडक्टर तार छोडकर पिकअप वाहन से फरार हो गए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सुरपाल भाभर, उम्र 32 वर्ष, निवासी आड़ापंथ, थाना रावटी बताया। उसने अपने साथियों के साथ एल्युमिनियम के तार खंबे से काटकर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने प्रकरण मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश करते हुए भारत भाभर, उम्र 18 वर्ष, पप्पू भूरिया उम्र 42 वर्ष तथा भरत भोरिया, उम्र 43 वर्ष को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिजली के एल्युमिनियम तार, चोरी में प्रयुक्त पिकअप वाहन सहित करीब 10 लाख रुपए का मश्रुका जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक मामले में चोरी के तार खरीदने वाले कबाड़ कारोबारियों और अन्य संभावित आरोपियों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंधक से सीईओ ने मांगा था कमीशन

50 किमी दूर से आई लोकायुक्त टीम, सीईओ को 96 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा

सतना। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त टीम रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के सतना जिले का है जहां सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को रीवा लोकायुक्त की टीम ने 96 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा है।

जिला सहकारी बैंक सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कृष्ण चंद्र शर्मा के खिलाफ नागौद समिति प्रबंधक सिद्धार्थ ओझा ने बीते दिनों लोकायुक्त कार्यालय रीवा में शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में फरियादी सिद्धार्थ ओझा ने बताया वो सहकारी केन्द्रीय बैंक की नागौद शाखा में प्रबंधक हैं और उनके कार्य क्षेत्र में तीन समितियां क्रमशः पटवारा, रीछुल एवं दुरेहा आती है, इन शाखाओं में साल 2025-26 में 32 हजार 300 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इस धान के भुगतान के संबंध में जब वो सीईओ कृष्ण चंद्र शर्मा के पास पहुंचा तो उन्होंने भुगतान करने के एवज में 3 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से कमीशन 96, 900 रुपये की रिश्वत की मांग की। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर 19 अगस्त को रिश्वत खोर सीईओ कृष्ण चंद्र शर्मा को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। रीवा से लोकायुक्त टीम 50 किमी दूर सतना पहुंची और फरियादी सिद्धार्थ ओझा को रिश्वत के 96 हजार रुपये देने के लिए सीईओ के पास भेजा। सीईओ कृष्ण चंद्र शर्मा ने प्रेम नगर स्थित अपूर्व बोस के किराए के मकान में आवेदक को रिश्वत की रकम देने के लिए बुलाया, यहां सीईओ ने जैसे ही फरियादी से रिश्वत के रुपये लिए तो सादे कपड़ों में मौजूद लोकायुक्त की टीम ने उन्हें रंगेहाथों धरदबोचा।

लोकायुक्त की अपील

लोकायुक्त ने आरोपी कृष्ण चंद्र शर्मा के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन अधिनियम 2018 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। कार्रवाई के बाद लोकायुक्त टीम ने आम जनता से अपील की है कि अगर कोई भी सरकारी अधिकारी-कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो लोकायुक्त कार्यालय रीवा के मोबाइल नंबर 98936 07619 पर संपर्क कर शिकायत कर सकते हैं।

मरम्मत के बाद भी पुलों पर खतरा, आधा दर्जन गांवों में नहीं हो रहा बस का संचालन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के आज भी कुछ गांव सड़क संपर्क से बहाल है अगर मार्ग बना है पुल पुलिया क्षतिग्रस्त है और सड़के मिट्टी युक्त है जिसके कारण बड़े वाहन गांव तक पहुंच पा रहे हैं ऐसा ही मामला कूदपुरा-सर्रा मार्ग से सामने आया है जहां वर्ष 2025 हुई बारिश और इस वर्ष जुलाई माह में हुई भारी बारिश के कारण लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाले बने भैसा पुलिया एवं कुदपुरा मार्ग पर किरार नाले की पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। बारिश के बाद विभाग द्वारा दोनों स्थानों पर मरम्मत कार्य कराया गया है लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि मरम्मत के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है। करीब एक महीने से आधा दर्जन गांवों तक बसों का आवागमन बंद होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण रमेश एवं नरेश सिंह ने बताया कि मंदिर के पास बने बड़े पुल तथा कुदपुरा के पास किरार नाले पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा मरम्मत कार्य कराया गया है, लेकिन मरम्मत इस तरह की गई है कि वहां से बसों का सुरक्षित निकलना संभव नहीं है। बसों के निकलने के दौरान खतरे की आशंका को देखते हुए बस मालिकों ने इस मार्ग पर बसों का संचालन बंद कर दिया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन के लिए अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुल और पुलिया की मरम्मत के बाद भी बसों का संचालन नहीं हो पा रहा है तो ऐसी मरम्मत का क्या फायदा। उनका आरोप है कि इसमें सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों को पुलिया से पैदल निकलते समय भी बेहद सावधानी बरतनी पड़ रही है, जबकि दोपहिया वाहन चालकों को भी कई स्थानों पर वाहन से उतरकर पुल-पुलिया पार करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हुए मार्ग की तत्काल मरम्मत की मांग की गई थी, ताकि आवागमन बहाल हो सके। लेकिन वर्तमान मरम्मत कार्य से ग्रामीण संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि विभागीय अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखनी चाहिए और जहां आवश्यक हो वहां दोबारा गुणवत्तापूर्ण एवं मजबूत तरीके से मरम्मत करानी चाहिए।वहीं ग्रामीणों का कहना है कि मौके की स्थिति विभागीय दावे से अलग है। ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों से दोनों स्थानों का निरीक्षण कराकर बसों का सुरक्षित आवागमन शीघ्र शुरू कराने की मांग की है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग की अनुभागीय अधिकारी मनीषा मोगनिया ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत करवा दी गई है और आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं है

दो मवेशियों की हुई मौत, बजरंग दल ने एफआईआर की मांग को लेकर उठाए सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह से तेंदूखेड़ा गौशाला ले जाए जा रहे मवेशियों के परिवहन के दौरान दो मवेशियों की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद पिंडरई गांव के पास ग्रामीणों और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद तेंदूखेड़ा के सीएमओ राजेंद्र सिंह पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार दमोह से ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए मवेशियों को तेंदूखेड़ा गौशाला ले जाया जा रहा था। पिंडरई गांव के पास ग्रामीणों ने वाहन को रुकवाकर मवेशियों की स्थिति देखी, जहां दो मवेशी मृत पाए गए। घटना की जानकारी मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने परिवहन व्यवस्था तथा मवेशियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। बताया गया कि वाहन में सवार दो युवकों को भीड़ ने करीब एक घंटे तक वाहन में बंद कर दिया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकालकर स्थिति को नियंत्रित किया। बजरंग दल तेंदूखेड़ा के सदस्यों का कहना है कि घटना के बाद से ही वे मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग कर रहे हैं। बुधवार शाम करीब चार बजे तक घटना को लगभग 24 घंटे होने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई। सदस्यों का आरोप है कि पुलिस उनसे आवेदन देने की मांग कर रही है, जबकि वे सीधे एफआईआर दर्ज कराने की मांग कर रहे हैं। बजरंग दल के सदस्यों ने मवेशियों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने नप की ओर से मवेशियों के परिवहन में बरती गई लापरवाही की भी जांच कराने की मांग उठाई है।

6 जुआरी गिरफ्तार, नगदी जब्त कर निकाला जुलूस

धार। दोपहर मेट्रो

तिरला थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक मकान के पीछे चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारा। पुलिस टीम ने मौके से ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाते हुए 6 लोगो को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से हज़ारो रुपये नगद और ताश की 4 गड्डियां बरामद की गई हैं। पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक धार के मार्गदर्शन में तिरला थाना प्रभारी व पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मौके की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ की स्थिति बनी, लेकिन टीम ने सभी 6 आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों में नरेंद्र डांगी निवासी तिरला , कुणाल चौधरी निवासी सलकनपुर, मुन्नालाल निवासी लाड गली, धार, दिलीप निवासी लक्ष्मी नगर, धार, दयाराम पलासिया निवासी लाड गली, धार और मुख्तियार खान निवासी सलकनपुर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों का तिलक क्षेत्र में जुलूस भी निकला है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

धामनोद में अनियंत्रित कार 25 फीट गहरी खाई में गिरी, एक की मौत, दो गंभीर घायल

धार। दोपहर मेट्रो

धामनोद थाना क्षेत्र के अंतर्गत एबी रोड पर खाटू श्याम मंदिर के समीप बीते दिन एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। एक कार अनियंत्रित होकर करीब 25 फीट गहरी खाई में जा गिरी और एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना बीते दिन शाम करीब 6 बजे की हुई है, धामनोद से राजपुर की ओर जा रही कार क्रमांक एमपी 09 जेड डी 1186 सामने से आ रही एक बस को बचाने के चक्कर में अचानक बेकाबू हो गई। कार सर्विस रोड से नीचे उतरकर खाई में गिर गई और रास्ते में आए एक पेड़ से जोरदार टक्कर खा गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि पेड़ उखड़ गया और कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार चालक मयूर निवासी राजपुर की मौके प र मौत हो गई, साथ ही डेविड निवासी राजपुर और सूरज निवासी धामनोद घायल हुए है। घायल सूरज ने बताया कि उसने मधुबन से लिफ्ट ली थी और वह कालीबावड़ी ब्रिज की ओर जा रहा था। सूचना मिलते ही टोल एम्बुलेंस कर्मी सूरज नायक और हरीश ओसारे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को रेस्क्यू कर धामनोद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। धामनोद सरकारी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. जगदीश देवड़ा ने बताया कि मयूर को अस्पताल लाते समय ही मृत घोषित कर दिया गया। घायल डेविड और सूरज को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कार चालक ने बस को बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाया या स्टीयरिंग घुमाया, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह खाई में गिर गया।

मेट्रो एंकर

2221 रुपए क्विंटल पर पहुंचे केले के दाम, आवक कम होने से भाव में उछाल

बुरहानपुर के केले की बढ़ी डिमांड, किसानों को मिल रहे शानदार दाम

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

लंबे समय से केला फसल को लेकर परेशान किसानों के लिए मंडी से राहत भरी खबर सामने आई है। आगामी त्योहारों को देखते हुए केले की डिमांड बढ़ गई, लेकिन केला फसल प्रभावित होने से आवक पर असर पड़ा है। ऐसे में केले के भाव में तेजी आई है। मौजूदा भाव पर गौर करें तो ये अधिकतम 2221 रुपए क्विंटल तक पहुंच गए हैं, जबकि न्यूनतम भाव 901 तक रहे हैं।

जिले में केला किसानों को फिर एक बार अच्छे दाम मिले हैं। त्योहारी सीजन में केले की मांग में बढ़ोतरी होने के साथ ही इसके दाम भी बढ़ गए हैं। मध्य प्रदेश समेत देशभर को केला पहुंचाने वाले बुरहानपुर में किसानों की उम्मीदें फिर से जागी हैं। दाम में तेजी आने के बाद किसानों को फिलहाल अच्छे भाव मिल रहे हैं। एक महीने पहले तक केला प्रति क्विंटल 1200 रुपए तक बिका था। केले की आवक रोजाना 230 गाड़ियों के करीब रही है। केले के दाम में हुई बढ़ोतरी का कारण आगामी रक्षाबंधन, गणेशोत्सव और नवरात्र का त्योहार है। आगे भी अब इसके दाम बढ़ने की बात केला व्यापारियों द्वारा कही जा रही है। इससे किसानों को राहत की उम्मीद बढ़ी है।

जून के महीने में आई प्राकृतिक आपदा से लगभग 107 करोड़ रुपए की केला फसल को नुकसान हुआ था। लगभग 8300 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई थी। इसी नुकसान के कारण आवक पर खासा असर पड़ा, क्योंकि अगस्त तक ये फसल निकल जाती। अब मंडी में आवक कम होने से भाव में खासा उछाल आया है। निमाड़ की उपजाऊ धरती पर ऊगने वाले बुरहानपुर के प्रसिद्ध केले को भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) प्राप्त होने से जिले ने कृषि क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है। इससे आगामी समय में केले को और बेहतर दाम मिलेंगे। जीआई टैग मिलने के साथ ही बुरहानपुर का केला अब राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी विशिष्ट पहचान के साथ स्थापित करेगा। केला व्यापारी रिंकु टांक ने बताया कि, आगामी त्योहार के कारण इस सीजन में पहली बार भाव 2 हजार पहुंचे हैं। आवक कम है, जबकि डिमांड ज्यादा है। इसलिए भाव में उछाल आया है। आगे भाव और बढ़ने वाले हैं।

आधारशिला बनी केले की खेती

साल 1960 के आसपास शुरू हुई केले की खेती आज जिले की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। अनुकूल जलवायु, उपजाऊ मिट्टी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहां उत्पादित केला अपने विशिष्ट स्वाद, आकर्षक रंग और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। वर्तमान में जिले के लगभग 18640 किसान केले की खेती से जुड़े हैं। करीब 26120 हेक्टेयर क्षेत्र में होने वाली इस खेती से प्रतिवर्ष लगभग 1828 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होता है।

केले उत्पाद ने बढ़ाया कृषि उद्योग

विभागीय जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत 55 से अधिक केला प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना की जा चुकी है। इन इकाइयों में केले से विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। जीआई टैग मिलने से इन उत्पादों की मांग में भी वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय उद्योगों को नई गति मिलेगी। बुरहानपुर केले को जीआई टैग मिलना जिले के कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ई-स्कूटी में विस्फोट

रतलाम। शहर के कनेरी रोड पर स्थित विंध्यवासिनी कॉलोनी के एक मकान में रखी ई-स्कूटी में ब्लास्ट हो गया। ई-स्कूटी घर के अंदर रखी हुई थी और जब उसमें विस्फोट हुआ तो घर में महिला के साथ उसकी दोनों बेटियां मौजूद थीं, तीनों आग में झुलस गईं हैं। ब्लास्ट के बाद भड़की आग ने घर को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिसके कारण घर में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम ASHWANI LALWANI था। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर ASHVANI हो गया है। जो कि मेरे सभी दस्तावेज में है। अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम ASHVANI से ही जाना/ पहचाना जाए।

ADDRESS : H No 42 Sutaru pur Jora Ratlam Madhya Pradesh

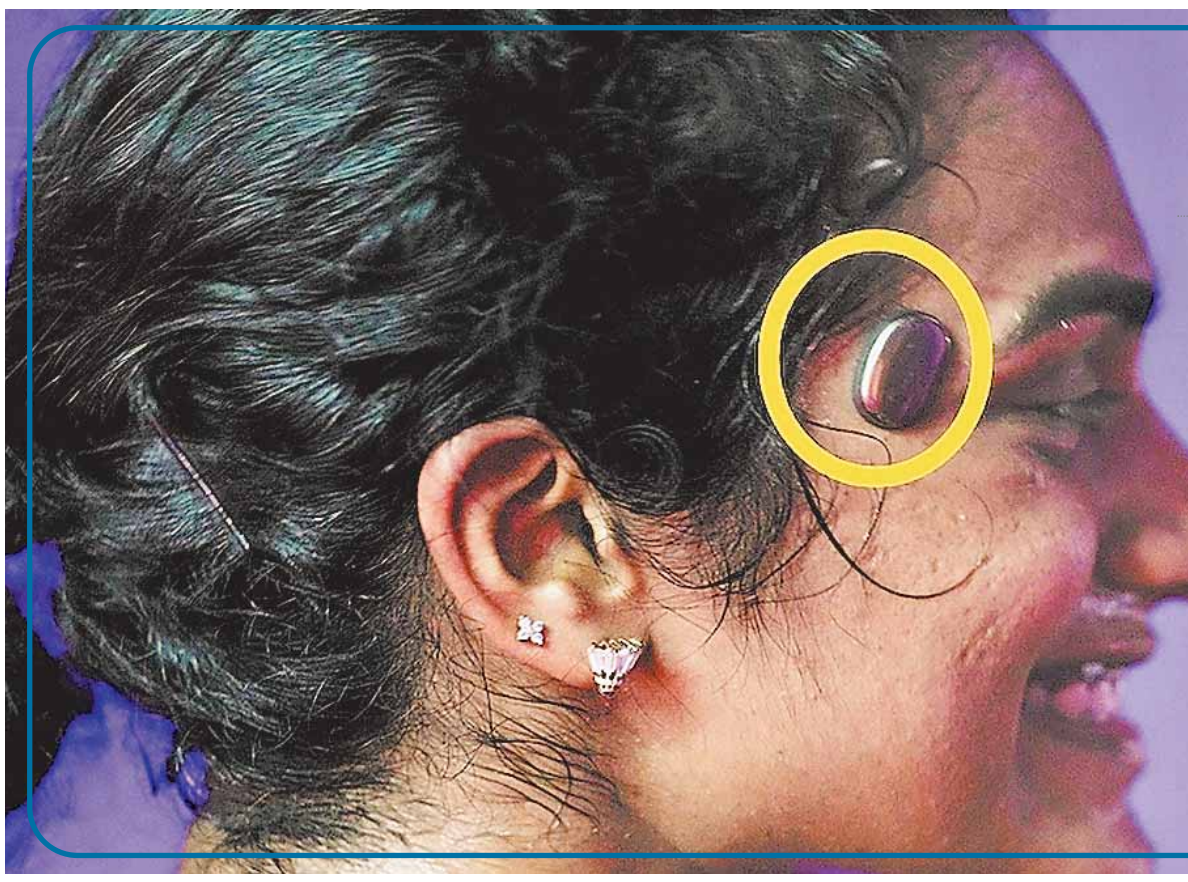

सिंधु के माथे पर दिखा रहस्यमयी टेंपल

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर रखता है नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकीं बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु के माथे पर लगा एक छोटा-सा उपकरण इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। नई दिल्ली में आयोजित विश्व बैडमिंटन महासंघ की विश्व चैंपियनशिप 2026 में आयरलैंड की सोफिया नोबल के खिलाफ मुकाबले के दौरान सिंधु के माथे पर नजर आए इस उपकरण का नाम 'टेंपल' है। यह सामान्य स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों से अलग बताया जा रहा है।

दीपिंदर गोयल का खास उपकरण- 'टेंपल' को जोमैटो के संस्थापक दीपिंदर गोयल तैयार कर रहे हैं। गोयल पिछले कुछ समय से इस उपकरण को लेकर चर्चा में हैं और कई मौकों पर इसकी झलक भी दिखा चुके हैं। हाल ही में उन्होंने इसके सीमित संख्या वाले 100 नमूने पेश किए थे। अब पीवी सिंधु के इस्तेमाल के बाद इस उपकरण को लेकर लोगों की दिलचस्पी और बढ़ गई है।

पसीने और तेज गतिविधि में भी टिका रहा

बैडमिंटन जैसे तेज खेल में खिलाड़ी लगातार दौड़ते, कूदते और पसीना बहाते हैं। इसके बावजूद 'टेंपल' सिंधु के माथे पर मजबूती से लगा रहा। यही वजह है कि खिलाड़ियों के लिए इसके संभावित इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

सिर्फ कदम और हृदय गति नहीं मापता

'टेंपल' को शारीरिक गतिविधियों के साथ मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी पर नजर रखने के लिए तैयार किया गया है। गोयल के अनुसार यह माथे से जुड़े एक खास जैव संकेतक को पढ़ता है और उससे मिलने वाली जानकारी को एक संख्या के रूप में दिखाता है।

हर सेकंड बदलता है स्वास्थ्य सूचकांक

दीपिंदर गोयल द्वारा साझा जानकारी के अनुसार 'टेंपल' की मुख्य स्क्रीन पर यह स्वास्थ्य सूचकांक दिखाई देता है और हर सेकंड इसमें बदलाव दर्ज होता है। इसका पैमाना 1 से 250 तक बताया गया है। इसमें 1 गहरी आराम की स्थिति को दर्शाता है, जबकि 250 का स्तर उच्च प्रदर्शन और एकाग्रता की स्थिति से जोड़ा गया है। उपकरण के बारे में साझा जानकारी में दावा किया गया है कि यह सूचकांक मस्तिष्क में रक्त प्रवाह से जुड़े संकेतों को दर्शाता है।

दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट लेकर हिरवानी-अक्षर जैसे दिग्गजों की कतार में बनाई जगह

600वें टेस्ट में चमका स्पिन का नया बाजीगर, मानव ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अपने 600वें टेस्ट मैच को शानदार जीत के साथ यादगार बना दिया। गॉल में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। भारत की इस ऐतिहासिक जीत के सबसे बड़े नायक 24 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार रहे। अपने करियर के महज दूसरे टेस्ट में सुथार ने मैच में कुल 10 विकेट झटककर भारतीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में धमाकेदार एंट्री की।

372 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम पांचवें दिन 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने 55 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। इससे पहले पहली पारी में भी उन्होंने 4 विकेट चटकाए थे। इस तरह पूरे मैच में उनके खाते में 10 विकेट आए और भारत को निर्णायक जीत दिलाने में उनकी भूमिका सबसे अहम रही।

जून में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले सुथार ने अपने दूसरे ही मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह भारत के लिए करियर के शुरुआती दो टेस्ट में एक से ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने वाले चुनिंदा गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। भारत के लिए पहले दो टेस्ट में सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड नरेंद्र हिरवानी और अक्षर पटेल के नाम है। दोनों ने तीन-तीन बार यह कारनामा किया। लक्ष्मण शिवरामकृष्णन, मोहम्मद निसार और मानव सुथार के नाम दो-दो पांच विकेट हॉल हैं।

सिर्फ हिरवानी से पीछे

सुथार ने दूसरे टेस्ट में ही 10 विकेट लेकर एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। भारत के लिए करियर का पहला 10 विकेट हॉल हासिल करने में उनसे कम मैच सिर्फ नरेंद्र हिरवानी ने खेले थे। हिरवानी ने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में डेब्यू करते हुए ही 16 विकेट चटका दिए थे। वहीं लक्ष्मण शिवरामकृष्णन और अक्षर पटेल ने दो टेस्ट में अपना पहला 10 विकेट हॉल हासिल किया था। अब सुथार भी इसी खास सूची में शामिल हो गए हैं।

बल्लेबाजों ने रखी नींव

भारत की जीत में बल्लेबाजों का योगदान भी शानदार रहा। देवदत पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए, जबकि केएल राहुल ने 117 और ऋषभ पंत ने 105 रनों का अहम योगदान दिया। इन पारियों की बदौलत भारत ने श्रीलंका के सामने 372 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, गॉल की पिच पर स्पिन का प्रभाव बढ़ता गया और भारतीय गेंदबाजों ने परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाया।

अब सीरीज जीत पर नजर

गॉल में जीत के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब उसकी नजर अगले टेस्ट में सीरीज अपने नाम करने पर होगी। साथ ही यह जीत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की दौड़ में भी भारत के लिए अहम है। भारत के 600वें टेस्ट ने जहां उसके गौरवशाली अतीत को याद किया, वहीं मानव सुथार ने अपने प्रदर्शन से भविष्य की तस्वीर भी दिखा दी। दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट और दो पांच विकेट हॉल के साथ सुथार ने साफ संकेत दे दिया है कि भारतीय स्पिन गेंदबाजी को आने वाले वर्षों में एक नया सितारा मिल सकता है।

पाकिस्तान पर जीत के बावजूद टीम की कमजोरी से चिंतित हैं हरमनप्रीत

एम्सटलवीन (नीदरलैंड)। भारतीय हॉकी टीम ने एफआईएच विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। हालांकि, इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में जीत के बावजूद कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टीम के डिफेंस को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने साफ कहा कि टूर्नामेंट के अहम चरण में पहुंचने के बाद रक्षापंक्ति में छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पिछले एक दशक से चली आ रही जीत की लय को बरकरार रखा। कप्तान हरमनप्रीत ने इस मुकाबले में भी आगे बढ़कर नेतृत्व किया और पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि आक्रमण में कुछ मौके गंवाना स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन डिफेंस में गलतियां नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, आगे कुछ मौके गंवाना ठीक है, लेकिन हम पीछे कोई गलती नहीं कर सकते। अगर हम 25 मीटर के इलाके में गेंद जीत रहे हैं तो हमें उस पर कब्जा बनाए रखना होगा। हम कुछ ऐसी छोटी गलतियां कर रहे हैं, जिन्हें आसानी से टाला जा सकता है।भारतीय कप्तान ने तीसरे क्वार्टर में टीम की धीमी शुरुआत को भी चिंता का विषय बताया।

रेड बॉल के खेल में घरेलू टीमें फेल

हाल ही में वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग ऑस्ट्रेलियाई टीम को बांग्लादेश के हाथों डार्विन टेस्ट मैच में 9 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।पहली बार कंगारुओं ने अपने घर पर बांग्लादेश के खिलाफ कोई टेस्ट मैच गंवाया है।वहीं अब टीम इंडिया ने भी श्रीलंका को उसके घर पर पहले टेस्ट मैच में हरा दिया है।वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 25-27 के अंतर्गत हुए इन दो टेस्ट मैचों के रिजल्ट ने फाइनल की रेस वाले रोमांच को बरकरार रखा है। वैसे अगर हम डब्लूटीसी की हालिया रैंकिंग पर गौर करें तो भले ही मौजूदा ज्यादातर टीमें जस के तस नंबर पर ही हैं,लेकिन टीम इंडिया की इस धमाकेदार जीत ने एक बार फिर मैन इन ब्लू को लाल गेंद की चैंपियनशिप के लिए उम्मीदें बरकरार रखी हैं।बावजूद इसके इंडिया के लिए अब भी फाइनल का सफर आसान नहीं कहा जा सकता है।वजह एकदम साफ है कि श्रीलंका दौरे के 2 टेस्ट मैचों के बाद टीम इंडिया का मुकाबला इस फॉर्मेट की 2 चैंपियन टीमों(ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड) से 7 मैचों में भिड़ंत होना बाकी है।अब इस चैंपियनशिप के लिए टॉप 4 में ऑस्ट्रेलिया,साउथ अफ्रीका,न्यूजीलैंड और भारत की टीमें है।दिलचस्प बात यह है कि आने वाले समय में इन्ही 4 टीमों को आपस मे मुकाबले भी खेलने हैं ।मतलब साफ है कि सभी टेस्ट सीरीज इन टीमों के लिए करो-मरो वाली रहेंगी।सभी मुकाबलों के बेहद रोचक होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि अब कोई भी टीम अपनी जमीन की शेर नहीं बची है।ऐसे में विदेशी सरजमीं पर तो कोई भी टीम उलटफेर करने की काबलियत रखती है,लेकिन घरेलू मैदान पर वह पिट जाती है।व्हाइट बाल क्रिकेट के युग मे यह नया बदलाव नजर आने लगा है।दरअसल क्रिकेट के खेल में सालों साल यह परंपरा देखने को मिली है कि जब कोई भी टीम अपनी सरजमीं पर लाल गेंद का टेस्ट फॉर्मेट खेलती थी तो फिर बोलबाला मेजबान टीम का ही रहता था।भले ही क्रिकेट के इस असल रूप में पिच व घरेलू दर्शकों का किरदार भी अहम होता था।लेकिन फिर भी एक समय था जब टेस्ट क्रिकेट में किसी भी टीम को उसके देश मे जाकर पटखनी देना आसान नहीं होता था।अब हाल यह है कि सफेद गेंद की चकाचौंध से प्रभावित सभी टीमें अपने ही मैदानों पर मुंहकी खाने लगी हैं।इसी वजह से रेड बॉल क्रिकेट में अब कोई भी टीम घरेलू शेर नहीं कही जा सकती है।बात टीम इंडिया की हो या फिर मामला ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमों का ही क्यों न हो।सभी की हालत रेड बॉल टेस्ट क्रिकेट में एक समान है।बस मजेदार बदलाव यह देखने को मिलता है कि सभी टीमें विदेशी सरजमीं पर वह कमाल दिखा रही हैं,जो घरेलू जमीन पर नहीं कर पाती हैं।अब सवाल यह उठता है कि आखिरकार ऐसा क्यों हो रहा है।रेड बाल क्रिकेट के इस बदलाव में एक और बड़ी बात निकल कर आती है कि आजकल ज्यादातर टेस्ट मैच में फैसले निकल कर आ रहे हैं।हालात यह हैं कि 5 दिनी और 450 ओवर के इस फॉर्मेट में मुकाबले ड्रा सिर्फ बारिस व मौसम की वजह से ही हो पाते हैं।भले ही क्रिकेट के असल जानकार और खेल पर बारीक नजर रखने वालों के लिए रेड बॉल के मायने जो भी हों,लेकिन सच तो यही है कि युवा खिलाड़ियों के लिए इस फॉर्मेट की अहमियत लगातार कम होती जा रही है।वर्तमान युग मे अगर हम सिर्फ टेस्ट स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार करने की कोशिश करें तो फिर सभी देशों से इनकी छंटनी करना बेहद जटिल हो गया है।वजह एकदम साफ है कि सिर्फ रेड बॉल के भरोसे कोई भी खिलाड़ी अब अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान नहीं बना सकता है।क्या वाकई सफेद गेंद के खेल ने रेड बॉल क्रिकेट को अपने आगोश में ले लिया है।मेरे नजरिये में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर घरेलू मैदानों पर टेस्ट क्रिकेट के शेर अब ढेर क्यों होने लगे हैं।क्या वाकई क्रिकेट के खेल में तरक्की हुई है या फिर व्हाइट बॉल की चमक में लाल गेंद की रोशनी फीकी पड़ती जा रही है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रुबीना दिलैक ने फिर ताजा कीं 'खतरों के खिलाड़ी' की यादें, तस्वीरों में दिखा मस्ती से लेकर डर तक का सफर

मुंबई। छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक एक बार फिर अपने पुराने दिनों की यादों में लौटती नजर आईं। अपनी बेबाक अदाकारी और अलग अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली रुबीना ने बुधवार को अपने पुराने रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो प्रशंसकों के साथ साझा किए।

रुबीना ने सामाजिक माध्यम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें शो के दौरान की उनकी कई यादगार झलकियां नजर आईं। कहीं वह मुश्किल स्टंट करती दिखाई दीं तो कहीं दोस्तों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आईं। कुछ तस्वीरों में वह ओरी और जैस्मिन भसीन के साथ भी दिखाई दीं। वीडियो में रुबीना का शानदार पहनावा और उनका बेबाक अंदाज भी देखने को मिला।

'आगे क्या होगा', इसी सवाल के साथ गुजरता था हर दिन

इन तस्वीरों को साझा करते हुए रुबीना ने अपने अनुभव को याद किया। उन्होंने लिखा कि हर दिन इस सवाल के साथ शुरू होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन उनके दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर से भरे रहते थे। रुबीना के लिए यह शो सिर्फ मुश्किल स्टंट करने का अनुभव नहीं था, बल्कि दोस्तों के साथ बिताए खूबसूरत पलों की याद भी है। उनके साझा किए वीडियो में डर और रोमांच के साथ मस्ती का रंग भी देखने को मिला।

छोटे पर्दे से रियलिटी शो तक बनाई खास पहचान

रुबीना दिलैक ने अपने अभिनय सफर की शुरुआत 'छोटी बहू' से की थी। इसके बाद उन्होंने 'सास बिना ससुराल', 'पुनर्विवाह-एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' और 'शक्ति-अस्तित्व के एहसास की' जैसे धारावाहिकों में काम किया। 'शक्ति' में उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया और इसी शो ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद रुबीना ने रियलिटी कार्यक्रमों में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह 'बिग बॉस 14' की विजेता बनीं। इसके अलावा उन्होंने 'खतरों के खिलाड़ी 12' और 'झलक दिखला जा 10' में भी हिस्सा लिया। रुबीना ने फिल्मों की दुनिया में भी कदम रखा। वर्ष 2022 में उन्होंने राजपाल यादव और हितेन तेजवानी के साथ 'अर्ध' से फिल्मी सफर शुरू किया।

अनुपम खेर ने जिम में बहाया पसीना, बोले- मेहनत के साथ फोटो से सबूत भी जरूरी

,मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर अभिनय के साथ अपनी फिटनेस को लेकर भी लगातार सक्रिय रहते हैं। बुधवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर जिम में वर्कआउट करते हुए कुछ तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों के साथ अभिनेता का मजेदार अंदाज भी देखने को मिला, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर जिम से तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा कि उन्हें जिम जाना और वर्कआउट करना बेहद पसंद है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि एक्सरसाइज के बाद खड़े होकर फोटो खिंचवाना उन्हें और भी ज्यादा पसंद है। अभिनेता ने लिखा, ÷मेहनत भी जरूरी है और उसका फोटोग्राफी प्रमाण भी।÷ उनकी इस पोस्ट ने फैंस के चेहरे पर मुस्कान ला दी।

अनुपम खेर की फिटनेस को लेकर सक्रियता सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहती है। फैंस उनकी फिल्मों और अभिनय के साथ-साथ उनकी फिटनेस को भी पसंद करते हैं। अभिनेता नियमित वर्कआउट के जरिए यह संदेश देते नजर आते हैं कि उम्र बढ़ने के साथ फिटनेस को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वह सोशल मीडिया और विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगों को प्रेरित करते रहते हैं। साथ ही कई सामाजिक और समसामयिक मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपम खेर ने हाल ही में 'खोसला का घोसला 2' और सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग पूरी की है। दोनों फिल्मों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। 'ये प्रेम मोल लिया' एक म्यूजिकल फैमिली फिल्म है, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनुपम खेर भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं।

मेट्रो बाजार

प्रतिस्पर्धा मामलों में कमिटमेंट आवेदन के लिए नए नियम लागू, सीसीआई ने बढ़ाई समयसीमा

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने प्रतिस्पर्धा कानून से जुड़े मामलों में कमिटमेंट (प्रतिबद्धता) आवेदन के लिए संशोधित विनियम, 2026 को अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत कंपनियों को आवेदन दाखिल करने के लिए अधिक समय दिया जाएगा, जिससे उन्हें जांच के दौरान प्रस्तावित सुधारात्मक उपायों को प्रस्तुत करने में सुविधा मिलेगी।

सीसीआई द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, कमिटमेंट आवेदन दाखिल करने की समयसीमा 45 दिनों से बढ़ाकर 60 दिन कर दी गई है। इसके अलावा, आयोग द्वारा ऐसे आवेदनों पर प्रारंभिक विचार के लिए उपलब्ध समय भी 7 कार्य दिवसों से बढ़ाकर 15 कार्य दिवस कर दिया गया है। नए नियमों के तहत पूरे मामले के निपटारे की अधिकतम समयसीमा भी बढ़ाई गई है। पहले यह अवधि 130 दिन थी, जिसे अब बढ़ाकर 180 दिन कर दिया गया है। गौरतलब है कि प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम, 2023 के माध्यम से कानून में धारा 48ए और 48बी जोड़ी गई थीं। इनके तहत कंपनियों को यह अवसर दिया गया कि यदि उन पर प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों, विशेषकर बाजार में प्रभुत्व के दुरुपयोग, के आरोपों की जांच चल रही है तो वे स्वेच्छा से सुधारात्मक कदम या शर्तें प्रस्तावित कर मामले का समाधान कर सकती हैं। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचते हुए प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताओं का शीघ्र समाधान करना है।

एआई में गड़बड़ी हुई तो जिम्मेदारी आपकी सेबी ने संस्थाओं को दी दो टूक चेतावनी

नई दिल्ली। वित्तीय बाजार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने विनियमित संस्थाओं को साफ संदेश दिया है। सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने कहा कि एआई या मशीन लर्निंग उपकरणों के इस्तेमाल में किसी भी तरह की चूक होने पर संबंधित संस्था ही पूरी तरह जिम्मेदार होगी। उपकरण संस्था ने खुद बनाया हो या किसी बाहरी कंपनी से लिया हो, जवाबदेही से बचने का रास्ता नहीं होगा। मुंबई में फिक्की कैपाम 2026 के 23वें संस्करण को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि वित्तीय बाजारों में तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में निवेशकों के हितों की रक्षा और बाजार की विश्वसनीयता बनाए रखना सबसे जरूरी है। सेबी ऐसी व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिसमें तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिले, लेकिन पारदर्शिता और जवाबदेही कमजोर न पड़े।

सेबी अध्यक्ष ने बताया कि बाजार अवसंरचना संस्थानों की तकनीकी क्षमता और जोखिम से निपटने की ताकत को मापने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सुदृढ़ता सूचकांक विकसित करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण प्रणालियों की मजबूती का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करना है। पांडे ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति के अगले चरण में तकनीक की भूमिका और महत्वपूर्ण होगी। इससे निवेश के नए अवसर, वित्तपोषण के नए रास्ते और अधिक आधुनिक नियामकीय व्यवस्था तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय पूंजी बाजार अब केवल आर्थिक गतिविधियों का आईना नहीं रहे, बल्कि आर्थिक वृद्धि के महत्वपूर्ण चालक बन चुके हैं। म्यूचुअल फंड और व्यवस्थित निवेश योजनाओं ने बड़ी संख्या में परिवारों को बाजार आधारित निवेश से जोड़ा है।

यूपी में आसमान से आफत.... 68 जिलों में बारिश का अलर्ट

राहत के लिए प्रशासन ने झोंकी ताकत

राज्य में 1,589 बाढ़ चौकियां और 1,263 राहत शिविर तैयार किए गए हैं। 41 शिविरों में 1,045 लोग रह रहे हैं, जबकि 4,845 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। राहत कार्यों में 428 नाव और मोटर बोट तथा 1,101 स्थानीय गोताखोर तैनात हैं। प्रभावित लोगों को हजारों फूड और लंच पैकेट भी बांटे गए हैं।

गंगा-यमुना उफान पर हजारों लोग बाढ़ में फंसे

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में मॉनसून की बारिश अब राहत के बजाय आफत बनती जा रही है। लगातार हो रही बारिश के बीच मौसम विभाग ने गुरुवार को प्रदेश के 68 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। गंगा, यमुना, रामी, सरयू और गोमती समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में बाढ़ और जलभराव की स्थिति गंभीर होती जा रही है।

13 जिलों के 173 गांव बाढ़ की चपेट में

उत्तर प्रदेश शासन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के 13 जिलों के करीब 173 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। लगभग 84,362 लोगों और 13,058 हेक्टेयर क्षेत्र पर इसका असर पड़ा है। बदायूं, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बिजनौर, फर्रुखाबाद, गोंडा, कासगंज, लखीमपुर खीरी, मुजफ्फरनगर, सीतापुर और उन्नाव समेत कई जिलों में हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। नदी के कछार में सब्जियों की खेती भी पानी में डूब गई है, जिससे किसानों को भारी नुकसान की चिंता सताने लगी है।

लो प्रेशर एरिया ने बढ़ाई बारिश की रफ्तार

आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र बारिश की बड़ी वजह है। बुंदेलखंड के झांसी, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर और जालौन समेत कई जिलों में येलो अलर्ट है। 23 अगस्त तक प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है।

प्रयागराज में घरों और रेलवे स्टेशन तक घुसा पानी

प्रयागराज में लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई रिहायशी इलाकों में पानी घरों के भीतर तक पहुंच गया है। रामबाग रेलवे स्टेशन की तीन पटरियां पानी में डूब गईं और रेलवे कार्यालयों में भी जलभराव हो गया। हालात को देखते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को तलब किया है। कई जिलों में स्कूलों को भी बंद रखा गया है।

न्यूज विंडो

राम मंदिर निर्माण का अधिकांश कार्य 30 सितंबर तक हो जाएगा: मिश्र

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा सुबह अयोध्या पहुंचे और परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में हिस्सा लिया।बैठक के दौरान उन्होंने मंदिर परिसर के विकास कार्यों से जुड़ी अहम जानकारियों को साझा किया।नृपेंद्र मिश्रा ने उम्मीद जताई कि 30 सितंबर तक राम मंदिर परिसर के अधिकांश निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। इसके बाद, 30 अक्टूबर तक निर्माण कार्य में लगी मुख्य कंपनियां रूज्ञ और टाटा परिसर से अपने कर्मचारियों को हटा लेंगी। इसके बाद मुख्य रूप से ऑडिटोरियम और संग्रहालय (म्यूजियम) के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

स्कॉटिश सांसद मार्टिन डे ने केरलम की निधिन संग लिए 7 फेरे

तिरुवनंतपुरम। केरलम के त्रिशूर में स्कॉटलैंड के पूर्व सांसद मार्टिन डे ने पिरावोम की रहने वाली मलयाली महिला निधिन चंद के साथ पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से विवाह रचाया। दोनों की शादी 9 साल पहले यूके में ही रजिस्टर हो चुकी थी, लेकिन निधिन चंद की अपने गृह राज्य के गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर में सात फेरे लेने की इच्छा थी। निधिन चंद यह इच्छा आखिरकार 10 साल बाद अपनी चौथी भारत यात्रा के दौरान पूरी हो सकी। इस भव्य शादी में करीबी परिजनों के साथ तलाकशुदा निधिन चंद (दुल्हन) का 22 वर्षीय बेटा भी शामिल हुआ।स्कॉटिश नेशनल पार्टी के नेता मार्टिन डे ने गुरुवायूर में हुई पारंपरिक शादी की तस्वीरें अपने फेसबुक पेज पर भी साझा कीं। शादी की रस्में बेहद पारंपरिक तरीके से पूरी की गईं। तस्वीरों में मार्टिन डे और निधिन चंद दोनों पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आए।

दिल्ली में पाकिस्तान पर डबल प्रहार... निकली इस्लामाबाद की अकड़

हाई कमीशन का सुरक्षा घेरा बुलडोजर से ध्वस्त कश्मीर पर अमेरिकी बयान से मची खलबली

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर लगाए गए ट्रैफिक बोलार्ड और बैरिकेड्स को हटा दिया गया है। यह कार्रवाई उस घटनाक्रम के ठीक तीन दिन बाद हुई, जब इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर सुरक्षा बैरिकेड्स हटाए जाने की खबर सामने आई थी।

पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बाहरी सुरक्षा घेरा हटाए जाने को भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनातनी के बीच बेहद अहम कदम माना जा रहा है। दिल्ली में सुरक्षा से जुड़े बाहरी ढांचे को हटाए जाने के बाद दोनों देशों की राजधानियों में कूटनीतिक मिशनों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब दोनों देशों के रिश्ते पहले ही बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में एक-दूसरे के हाई कमीशन के बाहर सुरक्षा इंतजामों में बदलाव को केवल स्थानीय प्रशासनिक कार्रवाई के तौर पर नहीं, बल्कि व्यापक कूटनीतिक संदेश के संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

पहलगाम के बाद बढ़ी थी तल्खी

पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में भारी तनाव पैदा हुआ था। हमले में 26 लोगों की जान गई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। 10 मई के सीजफायर के बाद सैन्य तनाव में कमी जरूर आई, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक रिश्तों में तल्खी बनी रही। अब हाई कमीशन के बाहर सुरक्षा घेरे को लेकर सामने आया ताजा घटनाक्रम इस तनाव को फिर सुर्खियों में ले आया है।

अमेरिकी दूत के बयान से पाकिस्तान तिलमिलाया

तनाव के बीच अमेरिकी राजदूत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर का श्रीनगर दौरा पाकिस्तान के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। श्रीनगर में गोर ने जम्मू-कश्मीर को भारत का 卐महत्वपूर्ण हिस्सा卐 बताया। उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में सुधार की भी तारीफ की और संकेत दिया कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर को लेकर अपनी ट्रैवल एडवाइजरी की समीक्षा कर सकता है।

पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारी को तलब कर जताया विरोध

गोर के बयान से नाराज पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में अमेरिकी चार्ज डी अफेयर्स नताली बेकर को तलब कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। पाकिस्तानी पक्ष ने गोर की टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए विरोध जताया।

दिल्ली से श्रीनगर तक बदला माहौल

एक तरफ दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर सुरक्षा घेरा हटाया गया, दूसरी तरफ श्रीनगर में अमेरिकी दूत ने कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। इन दोनों घटनाओं ने इस्लामाबाद की चिंता बढ़ा दी है। संदेश साफ है— इस्लामाबाद की कार्रवाई का दिल्ली में जवाब और कश्मीर पर अमेरिकी बयान ने पाकिस्तान की कूटनीतिक बेचैनी को और हवा दे दी है। आने वाले दिनों में भारत-पाकिस्तान के बीच यह तनातनी किस मोड़ पर पहुंचती है, इस पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी।

ट्रंप की तारीफ पर उद्धव की पार्टी ने उठाए चुनाव प्रक्रिया पर सवाल

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत की चुनाव पद्धति की तारीफ को अपराधी द्वारा दूसरे को चरित्र प्रमाणपत्र बताया। पार्टी के मुखपत्र सामना में गुरुवार को छपे संपादकीय में कहा गया कि पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में मतदाता बढ़ा-घटाकर चुनाव जीते गए। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि महाराष्ट्र में %एसआईआर% के खेल में सभी विपक्षी दलों को बहुत सावधान रहने की जरूरत है। महाराष्ट्र के 2 करोड़ मतदाताओं के नाम अब हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची में भ्रष्टाचार और घोटाला ही भाजपा का नया हथियार है। इस हथियार को अब कुंद करना होगा।

पार्टी ने कहा, अगर डोनाल्ड ट्रंप को भारत की चुनाव पद्धति आदर्श और पारदर्शी लगती है, तो उन्हें भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनकी पूरी मशीनरी के साथ अमेरिका ले जाकर वहां चुनाव करवाने चाहिए। ज्ञानेश कुमार, ट्रंप को उनकी मर्जी के मुताबिक चुनाव करवाकर दिखाएंगे और भारत की महान लोकशाही की तरह अमेरिका की लोकशाही का भी बंटाधार कर देंगे, इसमें हमें कोई शक नहीं है। संपादकीय में कहा गया कि ट्रंप ने भारत की चुनाव पद्धति की प्रशंसा की है। इसकी जोरदार चर्चा भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने शुरू कर दी है। यह एक अपराधी द्वारा दूसरे अपराधी को चरित्र प्रमाणपत्र देने जैसा है। शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों की विशेष गहन जांच (एसआईआर) अभियान के जरिए 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं को अयोग्य ठहराने का बड़ा काम चुनाव आयोग अंतिम चरण में ले आया है।

शिलांग में छात्रों की बाइक रैली के दौरान हिंसा, स्वामी विवेकानंद-नेताजी की प्रतिमा तोड़ी, गाड़ियां भी फूंकी

शिलांग। मेघालय की राजधानी शिलांग में खासी स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा आयोजित बाइक रैली के दौरान कम से कम दो सरकारी वाहनों में आग लगाई गई और कई अन्य गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान उपद्रवियों ने स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया।

दरअसल, KSU द्वारा आयोजित बाइक रैली राजधानी शिलांग के कई इलाकों से गुजरी। विरोध प्रदर्शन के दौरान रैली ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया, जब उपद्रवियों ने 1960 के दशक के राहत एवं पुनर्वास कॉलोनी में स्थापित स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया।इसके साथ ही वाहनों में आगजनी शुरू कर दी। जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए शहर में भारी सुरक्षा बल तैनात करना पड़ा।

मेघालय में खासी स्टूडेंट्स यूनियन (चस) ने अपनी पांच-सूत्रीय मांगों को लेकर राज्य सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था। सरकार की ओर से कोई ठोस कदम न उठाए जाने का दावा करते हुए छात्र संगठन ने शिलांग में काले झंडों के साथ इस बाइक और साइकिल रैली का आयोजन किया, यह शहर के विभिन्न इलाकों से गुजरते हुए सचिवालय के मेन गेट तक पहुंची।

भागवत के दौरे से पहले बढ़ी तल्खी

आरएसएस पर अमेरिका में फिर उठी रोक की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर अमेरिका में एक बार फिर विवाद तेज हो गया है। धार्मिक स्वतंत्रता पर काम करने वाली अमेरिकी सलाहकार संस्था के अधिकारियों ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस के नेताओं के साथ उच्चस्तरीय बैठकें नहीं करने और संगठन से जुड़े लोगों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। यह बयान संघ प्रमुख मोहन भागवत के आगामी अमेरिका दौरे से ठीक पहले सामने आया है।

मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाले 'सार्वभौमिक एकता समारोह' में शामिल होने वाले हैं। इसी दौरे से पहले अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अध्यक्ष आसिफ महमूद ने आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के सदस्य हैं और संगठन से जुड़े कुछ समूहों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों के आरोप लगते रहे हैं। महमूद ने आरएसएस को एक प्रमुख संगठन बताते हुए उसके साथ जुड़े समूहों की गतिविधियों पर सवाल उठाए।

अमेरिकी आयोग की आयुक्त जीन मिल्स ने कहा कि आरएसएस नेताओं को उच्चस्तरीय बैठकों या राजनयिक सम्मान से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले संगठन से जुड़े लोगों पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। कुछ अमेरिकी संगठनों ने भी भागवत के दौरे को लेकर आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि आरएसएस से जुड़े विवादों और अल्पसंख्यकों से संबंधित आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारत ने आरोपों को नाकारा

भारत ने अमेरिकी संस्था के आरोपों को किया खारिज भारत पहले भी अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की ऐसी टिप्पणियों और रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर चुका है। मार्च में जारी आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर सवाल उठाते हुए आरएसएस और अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। भारत सरकार ने आयोग की रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण, चुनिंदा और अविश्वसनीय स्रोतों पर आधारित बताया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि आयोग लगातार भारत की विकृत तस्वीर पेश कर रहा है। विदेश मंत्रालय का अमेरिका को दो टूक जवाब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी संस्था को भारत पर चुनिंदा टिप्पणी करने के बजाय अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर हो रही तोड़फोड़, भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ती असहिष्णुता और डराने-धमकाने की घटनाओं पर ध्यान देने की सलाह दी थी।

मेट्रो एंकर झारखंड में 45 परीक्षाएं रद्द-स्थगित,17 की सीआईडी जांच के आदेश

25 दिन के आंदोलन ने बदली तस्वीर, सरकार ने मानी गड़बड़ी

रांची, एजेंसी

झारखंड जैसे पिछड़े राज्य के छात्रों ने वो कर दिखाया, जो इसके पहले कभी नहीं हुआ। एक आंदोलन हुआ और उसके बाद अब तक 45 परीक्षाएं रद्द और स्थगित करनी पड़ी हैं। सरकार को झुकना पड़ा। इस सच को हलक से नीचे उतारने में सरकार को 25 दिन से ज्यादा का समय लग गया।

गांव-कस्बों के छात्रों ने रांची में आकर अपनी पीड़ा बताई तो पहले उनके हिस्से में आई लाठियां और आंसू गैस के गोले। वे सच बता रहे थे, लेकिन सरकार को लग रहा था कि उसके वजूद पर सवाल उठ रहा है। वह नहीं मानी, जिद पर अड़ी रही। फिर और छात्र जमा हुए। बोले, नहीं, हम सच कह रहे हैं, परीक्षाओं में धांधली है।जब छात्रों की आवाज कमजोर

नहीं पड़ी, दिनों-दिन मजबूत होती गई, तब जाकर सरकार ने माना कि हां, ये बेरोजगार झूठ नहीं बोल रहे हैं। इनका हक मारा जा रहा है, इसलिए ये दर्द सहते हुए सीना तानकर सामने आए हैं। जब सरकार ने सच स्वीकार किया तो परिणाम सामने आया 22 परीक्षाओं का रद्दीकरण, छह परीक्षाओं का स्थगन और 17 आयोजित परीक्षाओं की सीआईडी जांच का फैसला।संभवतः आजाद भारत में यह पहली बार हो रहा है कि किसी राज्य में इतनी संख्या में परीक्षाएं रद्द की गई हैं। जो सरकार कभी मानने को तैयार नहीं थी, वह अब कह रही है कि परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनेगा। आंतरिक निगरानी प्रकोष्ठ और परीक्षा सुधार समिति गठित की जाएगी। यानी समझा यह जाए कि भ्रष्टाचार का खेल चलता रहता, अगर ये छात्र आंदोलन सामने न आता।

सीआईडी जांच के घेरे में क्या?

जेपीएससी-जेएसएससी सीआईडी जांच के घेरे में टीडीपीएल के कई कर्मचारियों की गिरफ्तारियां हुई हैं। इस मामले में सीआईडी ने 24 जुलाई को हेमंत वर्मा, प्रदीप कुकर सिंह और संजय कुमार समेत तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। जांच का दायरा सिर्फ परीक्षा संचालक तक सीमित नहीं रहा। एजेंसी के चयन, टेंडर प्रक्रिया, संचालन और डेटा प्रोसेसिंग की भी जांच-पड़ताल चल रही है। जेएसएससी के सचिव सुधीर गुप्ता से पूछताछ की गई। चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की भी जांच की गई। जांच में अभय तिवारी का नाम प्रमुख रूप से आया। इसके बाद सीआईडी ने उनकी पत्नी और भाई को भी गिरफ्तार किया। इस मामले में सीआईडी की कार्रवाई जारी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564